INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-94 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 31 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अधिक मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में उमड़ा आस्था का महासैलाब

सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं का रेला

अधिक मास की पूर्णिमा पर गोवर्धन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

गोवर्धन जाने के लिए बस की छत पर सवार श्रद्धालु।

यूनिक समय, गोवर्धन। अधिक मास की पूर्णिमा पर रविवार को तीर्थराज गोवर्धन में आस्था का ऐसा महासैलाब उमड़ा कि पूरा कस्बा श्रद्धालुओं से पट गया। सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी तो हर ओर केवल श्रद्धालुओं का जनसैलाब नजर आया। हालात ऐसे थे कि कई स्थानों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की कतारें दूर–दूर तक दिखाई दीं और ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो आस्था की गंगा निरंतर प्रवाहित हो रही हो।

पूर्णिमा पर देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने मानसी गंगा में स्नान कर पुण्य- लाभ अर्जित किया,गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर अपनी श्रद्धा अर्पित

मानसी गंगा में स्नान कर लाखों भक्तों ने किया पुण्य लाभ

की। परिक्रमा मार्ग पर जगह–जगह धार्मिक संस्थाओं और समाजसेवियों द्वारा भंडारों का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मानसी गंगा तट पर उज्ज्वल ब्रज संस्था ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जनसेवा केंद्र स्थापित किया, यहां स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम, सामान सुरक्षित रखने के लिए लॉकर और यात्रियों के विश्राम की विशेष व्यवस्था की गई है। हालांकि, मानसी गंगा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठे। स्नान के लिए नावों की व्यवस्था तो दिखाई दी, लेकिन गोताखोर टीम तैनात नजर नहीं आई। मेले की सुरक्षा को देखते हुए गोवर्धन पुलिस प्रशासन ने इस बार व्यापक इंतजाम किए। स्थानीय पुलिस के साथ बाहर से भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एकता तिराहा, डीग अड्डा, दानघाटी मंदिर, सौंख अड्डा, जमुनावता तिराहा समेत प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मी लगातार निगरानी करके श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालते नजर आए। श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों के लिए भी आवागमन और भीड़ नियंत्रण चुनौती बना रहा। भीड़ का दबाव इतना था कि लोगों को आगे बढ़ने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पूर्णिमा को दर्शन करने के लिए उमड़ा जनसैलाब

बांकेबिहारी मंदिर के रास्तों में कुंभ का सा नजारा

गर्मी और उमस से कई श्रद्धालुओं को महसूस हुई बैचेनी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास पूर्णिमा पर आज सुबह से ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर के रास्ते पर कुंभ का नजारा दिखाई देने लगा। गर्मी और उमस के बीच दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर इतनी अधिक भीड़ थी कि कई स्थानों पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। धक्का-मुक्की करते हुए श्रद्धालु जैसे तैसे आगे बढ़ते नजर आ रहे थे। लंबे समय तक लाइन में खड़े रहने और पर्याप्त हवा न मिलने से कई लोगों की तवियत बिगड़ने की शिकायतें भी सामने आईं। इस बीच एक महिला श्रद्धालु भीड़ और गर्मी के कारण अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। साथ आए परिजन ने ठंडा पानी पिलाया और चिकित्सकों को बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला सामान्य हुईं। मंदिर के पट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं ने चबूतरा पर डेरा जमा लिया था। वहीं, विद्यापीठ चौराहा से मंदिर की ओर आने वाले मार्ग पर जनसैलाब से कुंभ मेला की तस्वीर दिखाई देने लगी। हालांकि अव्यवस्था के कारण अनेक श्रद्धालुओं को धक्का खाने के बाद दर्शन नसीब नहीं हो सके, वह निराश होकर लौटते दिखाई दिए। भीड़ के कारण व्यापारी और छोटे दुकानदार भी परेशान दिखाई दिए। भीड़ को नियंत्रण करने के लिए किए प्रयास सफल नहीं हो सके। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के अलावा राधारमण मंदिर, राधाबल्लभ लाल मंदिर, निधिवनराज मंदिर, सेवाकुंज मंदिर आदि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई।

अधिक मास की पूर्णिमा को ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़े जनसैलाब का नजारा।

नो एंट्री के बाद भी आ गए कार समेत बड़े वाहन

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास की पूर्णिमा को पंचकोसीय परिक्रमा लगाने के लिए श्रद्धालुओं के कदम आगे बढ़ते नजर आए। इसी दौरान कार और बडे वाहन व्यवस्था पर सवाल उठाते रहे।

शनिवार की सायं परिक्रमा मार्ग में हुए हादसे के बाद पुलिस प्रशासन जागा नहीं। आज भी परिक्रमा मार्ग में नो एंट्री के बाद भी भारी वाहन चलते नजर आए। कल एक कार ने दंडौती देती महिला श्रद्धालु को टक्कर मार दी थी। लोगों का कहना है कि पागल बाबा मंदिर के पास तिराहे पर बैरीकेटिंग लगी है और वहां से कार समेत अन्य बड़े वाहनों के वृंदावन प्रवेश पर प्रतिबंधित है तो बड़े वाहन अटल्ला चुंगी तक कैसे पहुंच रहे हैं। यमुना एक्सप्रेस से परिक्रमा मार्ग तिराहे पर कार समेत अन्य वाहनों को रोकने का आदेश है तो फिर वाहन परिक्रमा मार्ग में कैसे आ रहे हैं।

कुत्ता के साथ मंदिर में प्रवेश वायरल वीडियो की चर्चा

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में कुत्ता के साथ एक श्रद्धालु के प्रवेश वाला वायरल वीडियो दिन ड्डार चर्चा का विषय बना रहा। वीडियो देखने वाले लोगों कहना है कि गेटों पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के बाद भी कुत्ता लेकर श्रद्धालु मंदिर में कैसे प्रवेश कर गया। वायरल वीडियो को लेकर मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

पुलिस और बिजली घर के अधिकारियों ने बताई समस्या

पांच दिन से बिजली की परेशानी से लोगों का गुस्सा फूटा, जाम

यूनिक समय, मथुरा। जयसिंहपुरा इलाके में पांच दिन से बिजली न आने के कारण स्थानीय लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। भीषण गर्मी में बिजली न आने के कारण लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। पांच दिन से समस्या से जूझ रहे लोगों का रविवार को सब्र का बांध टूट गया। बडी सख्या में महिला और पुरूषों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारे लग गई। पुलिस और बिजली घर के अधिकारियों ने मौके पर लोगों को शीघ्र ही बिजली बहाली की आश्वासन दिया।

पांच दिन से बिजली न आने से परेशान लोग सड़क पर जाम लगाते हुए।

जयसिंहपुरा और आस-पास के इलाकों में पिछले पांच दिन से बिजली नहीं आ रही है। बिजली न आने की शिकायत विभाग के अधिकारियों से किए जाने के बाद भी समस्या का कोई हल नही निकला। इसके चलते लोगों में बिजली विभाग के प्रति गुस्सा बढ़ने लगा। लोगों को बिजली न होने के कारण पीने और नहाने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। घरों में लगे सबमर्सिबल भी नहीं चल रहे हैं। बिजली न आने से परेशान स्थानीय लोग आज आक्रोशित हो गए और घरों से निकल कर सड़क पर जाम लगा

स्थानीय लोगों ने शीघ्र बिजली की आपूर्ति चालू करने को कहा

दिया। जानकारी पर पुलिस पहुंच गई। कुछ देर बाद बिजली विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आंधी के चलते पोल और पेड़ों के गिरने से लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके चलते बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों ने बिजली आपूर्ति को शीघ्र सही कराने की मांग की। अधिकारियों ने लोगों को जल्द बिजली आपूर्ति किए जाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद कई घंटे बाद जाम खुल सका।

गैर इरादतन हत्या में एक और गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। मांट पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वंछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे हत्या में प्रयुक्त लाठी बरामद की है।

पुलिस इस मामले में सात लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना मांट के गांव जावरा में 26 फरवरी को हुए आपसी झगड़े में जवाहर सिंह निवासी गांव डारऊ थाना मांट को हमालवरों ने हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। इस मामले हमलावरों के खिलाफ थाना मांट में रिपोर्ट में दर्ज कराई थी। इलाज के दौरान जवाहर सिंह की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या की धारा और बढ़ा दी। पुलिस ने वांछित चल रहे धर्मवीर निवासी गांव जावरा थाना मांट को जावरा अंडर पास के समीप से गिरफ्तार कर आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त की गई लाठी बरामद की है।

अवध एक्सप्रेस से 64 किलो पेड़ा बरामद

अवैध वेंडिंग पर कार्रवाई

यूनिक समय,मथुरा। आगरा मंडल में ट्रेनों में अवैध वेंडिंग पर अंकुश लगाने के लिए जांच अभियान चलाया गया। वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने सघन कार्रवाई की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में 12 जून तक चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के दौरान संयुक्त टीम ने गाड़ी संख्या 19038 अवध एक्सप्रेस में आगरा फोर्ट स्टेशन पर जांच के दौरान एक अनाधिकृत वेंडर को खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़ा।

जांच के दौरान उसके कब्जे से करीब 64 किलोग्राम पेड़ा बरामद किया गया। आरोपी और जब्त सामग्री को कार्रवाई के लिए आरपीएफ ईदगाह को सौंप दिया गया। अभियान के दौरान कुल 39 मामलों में कार्रवाई करते हुए लगभग 27,500 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि आगरा मंडल यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

यूनिक समय मथुरा। थाना सदर बाजार पुलिस ने काली मां मंदिर के समीप से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली की सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति (50) का शव पड़ा है। पुलिस ने शव की तलाशी ली तो ऐसी कोई वस्तु बरामद नहीं, जिससे मृतक की शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, देखने से मृतक भिखारी जैसा प्रतीत हो रहा है। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

तीन विधान सभाओं के 1356 बूथों पर सुनी मन की बात

यूनिक समय,मथुरा। रविवार को भ्राजपा कार्यकर्ताओं ने जिले की तीन विधानसभा बलदेव, मांट और छाता के 1356 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134 वां संस्करण सुना। जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में तीनों विधानसभाओं के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।

मन की बात के बाद सभी बूथों पर बूथ समिति की बैठकें आयोजित की गई।

जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि आगामी चुनाव को देखते हुए संगठन ने आज बूथ स्तर तक मोर्चा संभाल लिया है। मन की बात के 134 वें संस्करण को सुनने के बाद हर बूथ पर मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान की समीक्षा की गई।

कार्यक्रम में विधानसभा के प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, महिला मोर्चा पदाधिकारी और बूथ अध्यक्ष शामिल रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के शेरगढ़- छाता मार्ग पर बीती रात छाता से शेरगढ़ के लिए बाइक से जाते एक युवक को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। शेरगढ़ निवासी निसार (25)पशुओं का व्यापार करता था। बताया गया कि बीती रात वह छाता से शेरगढ़ के लिए आ रहा था। रास्ते में छाता-शेरगढ़ मार्ग पर करीब रात ग्यारह बजे शेरगढ़ से कुछ पहले ही उसकी बाइक को भूसा से भरे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में निसार बुरी तरह से घायल हो गया। घायल को मौके पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने निसार के परिवार को इस घटना के बारे में सूचना दी, जिससे परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।।

युवक की मौत के बाद थाने में बैठे परिजन।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,56,200

22 कैरट 1,46,000

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,80,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बढ़ रहा फ्लोराइड का खतरा, बच्चों की सेहत पर पड़ रहा असर

पानी में फ्लोराइड, हड्डियां हो रही कमजोर

दांतों पर दिख रहे निशान, फरह ब्लॉक सबसे ज्यादा प्रभावित

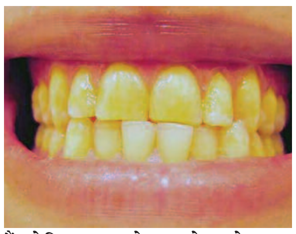

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप हैंडपंप का पानी पी रहे हैं तो सावधान हो जाइए। जिले के कई क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंपों के पानी में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ती जा रही है, जो लोगों की सेहत के लिए खतरा बन रही है। सबसे ज्यादा असर बच्चों पर देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में यह बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन सकती है।

जिले के कई इलाकों के पानी में फ्लोराइड की मात्रा सामान्य से अधिक पाई जा रही है। हैंडपंपों का पानी सबसे ज्यादा फ्लोराइड दे रहा है। ऐसे पानी को पीने से हड्डियां प्रभावित होने लगी हैं। इसकी पहचान सबसे पहले बच्चों के दांतों पर दिखाई देती है। दांतों पर सफेद या भूरे रंग की लाइनें और धब्बे बनने लगते हैं। कई बार लोग इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह फ्लोराइड के बढ़ते असर का संकेत मिल रहा है।

लंबे समय तक अधिक फ्लोराइड वाला पानी पीने से हड्डियों और जोड़ों पर भी असर पड़ता है। हाथ–पैरों में अकड़न, जोड़ों में दर्द और हड्डियों के टेढ़े होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। गंभीर स्थिति में बीमारी का इलाज भी मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. विवेक वर्मा के अनुसार, पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच कराते रहना चाहिए। हैंडपंप के पानी से जितना बचा जाए, बचना चाहिए। नहीं तो इस बीमारी के लिए तैयार हो जाईए। फ्लोराइड की समस्या को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों और ग्रामीण अंचलों में भी अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता है। डॉ. वर्मा और उनकी टीम बच्चों, शिक्षकों को फ्लोराइड के नुकसान और उससे बचाव के लिए समय–समय पर जागरूक किया जाता है। उनका कहना है कि यदि लोग समय रहते लक्षण पहचान लें तो बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। पानी में फ्लोराइड की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर होनी चाहिए, तभी वह पीने योग्य माना जाता है। डा. वर्मा ने कहा कि इस बीमारी से लोगों को बचना है तो एक सप्ताह में एकहरी इमली सभी को खानी चाहिए। यह एक राम वाण इलाज है।

फरह ब्लाक में सबसे ज्यादा फ्लोराइड

यूनिक समय, मथुरा। वैसे तो पानी में फ्लोराइड समूचे जिले में मिल रहा है, लेकिन यह फरह ब्लाक में सबसे ज्यादा मात्रा में सामने आ रहा है। वैसे, पानी में फ्लोराइड होना भी जरूरी है। एक लीटर पानी में एक पीपीएम मात्रा फ्लोराइड होने से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता, लेकिन फरह ब्लाक के पानी में यह एक लीटर में डेढ़ पीपीएम निकल रहा है, जो खतरनाक है। फरह के अलावा छाता, गोवर्धन, चौमुहां, मांट, नौहझील और राया ब्लॉक में फ्लोराइड की समस्या ज्यादा सामने आ रही है। राया क्षेत्र के कुछ हिस्सों में यह समस्या अपेक्षाकृत कम देखी गई है। जिले में बढ़ते फ्लोराइड स्तर ने अब स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों दोनों की चिंता बढ़ा दी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. विवेक वर्मा ने बताया कि फ्लोराइड का खतरा धीरे–धीरे बढ़ता है और कई बार लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं होती। यही वजह है कि जागरूकता और नियमित जांच बेहद जरूरी है। यदि समय रहते पानी की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया तो और ऐसे केस ज्यादा बढ़ेगें। ऐसे में जरूरत है कि लोग पानी की शुद्धता को लेकर सजग रहें और किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत विशेषज्ञ से सलाह लें। इससे बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को इस गंभीर समस्या से बचाया जा सकता है।

ऐसे करें बचाव–

बीस लीटर पानी में एक चुटकी खाना सोड़ा और एक चटकी फिटकरी डाल कर 15 मिनट के लिए रख दें, इसके बाद यह पानी पीने योग्य बन जाएगा।

वृंदावन के परिक्रमा में कार ने महिला को मारी टक्कर

इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित परिक्रमा मार्ग में एक महिला को कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सीओ सदर ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी की गई तो पता लगा कि परिक्रमा मार्ग में जयप्रकाश नाम का व्यक्ति कार ले आया था। कार से महिला घायल हो गई थी। घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुर्घटना करने वाली कार और जयप्रकाश को पकड़ लिया है।

श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में हुआ जलाभिषेक

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम माह महोत्सव के अंतर्गत प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में रविवार को भगवान श्री दीर्घ विष्णु और पद्मालयी महालक्ष्मी का जलयात्रा स्नान महोत्सव श्रद्धा के साथ मना। मंदिर परिसर सुगंधित शीतल जल की महक और जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। महोत्सव की शुरुआत मंगला आरती से हुई। वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य भगवान श्री दीर्घ विष्णु और पद्मालयी महालक्ष्मी का सुगंधित, शीतल और औषधीय गुणों से युक्त जल से मिट्टी के कलशों में इत्र, औषधियां, केसर और कपूर मिश्रित जल से चांदी, तांबे और पीतल के कलशों में भरकर भगवान का अभिषेक किया गया।

सेवायत महंत कांतानाथ चतुर्वेदी ने बताया कि गर्मी से ठाकुरजी को शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को ज्येष्ठाभिषेक महोत्सव मनाया जाता है, जिसे जलयात्रा स्नान महोत्सव ड्डाी कहा जाता है। इस अवसर पर पवन चतुर्वेदी, विजय चतुर्वेदी, सुधीर चौधरी, श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान के रामदास चतुर्वेदी, बालकृष्ण चतुर्वेदी, लालकृष्ण चतुर्वेदी, पीयूष चतुर्वेदी, समर्थ चतुर्वेदी, दीपक चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं के रखे गए पात्र।

पूर्ण एकांतवास में जाएंगे संत प्रेमानंद महाराज

अब वे किसी को दीक्षा नहीं देंगे और न नए शिष्य बनाएंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। प्रख्यात संत प्रेमानंद ने अपने भक्तों को एक भावुक संदेश देते हुए पूर्ण एकांतवास में जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और मानसिक शांति को बनाए रखने, जीवन के अंतिम पड़ाव में प्रभु चिंतन में लीन रहने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने भक्तों से चिंता न करने और इसे सभी के मंगल- कल्याण के लिए उठाया गया कदम बताया। संत प्रेमानंद ने अपने संदेश में एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब वे किसी को दीक्षा नहीं देंगे और न ही नए शिष्य बनाएंगे। अब वे किसी प्रकार के प्रपंच में नहीं पड़ेंगे और न ही नियमित प्रवचन करेंगे। उन्होंने बताया कि भक्तों के मार्गदर्शन के लिए पहले से ही 10 से 15 हजार प्रश्नों के उत्तर और सत्संग के वीडियो उपलब्ध हैं, जो आध्यात्मिक उन्नति के लिए पर्याप्त हैं।

भक्तों को साधना का मूल मंत्र देते हुए कहा कि श्री राधारानी के प्रति अनन्य प्रेम और अपनापन ही सर्वोच्च साधना है। उन्होंने निरंतर नाम–जप, भजन और सांसारिक मोह–माया से दूरी बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भजन नहीं करेगा, वह संसार के राग–द्वेष, ईर्ष्या और प्रपंचों में उलझकर दुखी रहेगा। इसलिए हर समय यह भाव रखना चाहिए कि "मैं श्रीजी का हूं और श्रीजी मेरी हैं।" अपने गिरते स्वास्थ्य का उल्लेख करते हुए संत भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि उनका प्रतिदिन डायलिसिस हो रहा है और शरीर लगातार कमजोर होता जा रहा है। स्थिति यह है कि चलने के लिए भी दो लोगों का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बचपन में घर छोड़कर पूरा जीवन भजन और साधना को समर्पित किया। अब जीवन के अंतिम चरण में वे चाहते हैं कि कोई भी सांसारिक प्रलोड्डान उनकी बुद्धि को प्रभु से दूर न कर सके, इसलिए वे पूर्ण एकांत में रहकर अपना शेष समय ईश्वर चिंतन में बिताना चाहते हैं।

उन्होंने भक्तों की आशंकाओं को दूर करते हुए कहा कि आश्रम और दर्शन की सभी व्यवस्थाएं श्री राधारानी की कृपा से संचालित हो रही हैं। किसी व्यक्ति विशेष पर इन व्यवस्थाओं की निर्भरता नहीं है, इसलिए भविष्य में भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

संत प्रेमानंद ने भक्तों से भजन, साधना और सदाचार में दृढ़ रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनका मूल स्वभाव गंगा तट पर रहने वाले एक सरल और विरक्त संत का रहा है, अब वे पुनः उसी भाव में लौट रहे हैं। यदि भक्त सच्चे मन से ड्डाजन करेंगे और धर्ममय आचरण अपनाएंगे, तभी उन्हें वास्तविक आनंद और संतोष की प्राप्ति होगी।

बाइक सवारों ने युवती को पानी की बोतल मारी

बाइक सवारों की करतूत का वीडियो वायरल

छेड़छाड़ करने वालों की जमकर की पिटाई

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास की पूर्णिमा परिक्रमा के दौरान बाइक सवार युवकों ने एक युवती का छेड़छाड़ के इरादे से पानी की बोतल मार दी। दूसरी बाइक पर चल रहे युवकों ने इस घटना का वीडियो बनाया लिया। इसके बाद पानी की बोतल मारने वालों को लोगों ने जमकर सबक सिखाया। वीडियो वायरल होने केबाद पुलिस शर्मनाक घटना को अंजाम देने वाले युवकों की तलाश कर रही है।

आज वृंदावन में चल रही अधिक मास की पूण्रिमा में बड़ी संख्या में महिला, बच्चे और बुजुर्ग आदि परिक्रमा कर रहे हैं। परिक्रमा के दौरान बाइक सवार युवक एक युवती से अश्लील हरकत करते चल रहे थे। इन युवकों ने युवती को पानी की बोतल फैंक कर मारी। युवकों द्वारा की जा रही इन हरकतों को दूसरे बाइक सवार युवक भी देख रहे थे।

उन्होंने इस सारी घटना का वीडियो बना लिया और आगे जाकर बाइक सवारों को रोक लिया। शर्मनाक करतूत सामने आने के बाद लोगों ने छेड़छाड़ करने वाले बाइक सवारों की जमकर पिटाई कर दी। अब सोशल मीडिया पर छेड़छाड़ करने वाले युवकों का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस उनकी तलाश कर रही है। परिक्रमा के दौरान इस तरह की होने वाली घटनाओं को लेकर लोगों में आक्रोश है।

श्रद्धालुओं ने रंग में सराबोर होकर दी परिक्रमा

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में उड़ा रंग गुलाल

यूनिक समय, राया। ब्रज चौरासी कोस में पूर्णमासी के दिन परिक्रमार्थियों ने होली महोत्सव मनाया।

गौरांग प्रेम मंडल हाथरस के बैनर तले करीब डेढ सौ महिला पुरुष श्रद्धालु ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा दे रहे है। आज प्रातः श्रद्धालुओं ने परिक्रमा मार्ग में रंग-गुलाल उड़ाते हुए ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा प्रारंभ की। इसमें परिक्रमार्थी होली के रंगों में सरोवर होकर भजन-कीर्तन होली खेलते हुए ब्रज चौरासी कोस विश्राम स्थल गणेशबाग लक्ष्मीनारायण सेवा सदन पर पहुंचे, जहां पूर्व चेयरमैन कृष्णकांत अग्रवाल ने स्वागत कर प्रसादी वितरित की। आचार्य प्रेमप्रकाश गौरांग ने बताया कि 18 मई से उन्होंने परिक्रमा का मथुरा के बंगाली घाट से शुभारंभ किया था। अधिकमास में परिक्रमा के दौरान पूरी साल के त्योहार मनाए जा रहे है। विश्राम के बाद सायं को परिक्रमा कारब पहुंचेगी। सोमवार को बल्देव में दिवाली महोत्सव मनाया जायेगा। इस दौरान मुकेश अग्रवाल, संजय बंसल, हरिमोहन अग्रवाल, निरोत्तम प्रसाद अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, अजय खंडेलवाल, राहुल, लकी शर्मा और शरद अग्रवाल आदि मौजूद थे।

अधिकमास परिक्रमा के दौरान होली खेलते श्रद्धालु।

रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर भीड़ ही भीड़

रोडवेज ने चलाईं 20 अतिरिक्त बसें, राजस्व में 65 प्रतिशत बढ़ोतरी

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास की पूर्णिमा पर भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और गिरिराज महाराज की नगरी गोवर्धन में श्रद्धालुओं का भारी जन सैलाब उमडा तो रोडवेज बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भीड़ ही भीड़ दिखाई दी।

शनिवार रात से ही गोवर्धन परिक्रमा करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंचने लगे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और प्रमुख मार्गों पर हर तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। श्रद्धालुओं के जन सैलाब को देखते हुए रोडवेज विभाग को विशेष इंतजाम करने पड़े। यात्रियों की सुविधा के लिए 20 अतिरिक्त बसें चलाई गईं। सामान्य दिनों में जिन बसों में 40 से 50 यात्री सफर करते हैं, उनमें शनिवार रात 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा की। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, पूर्णिमा की रात मथुरा डिपो को सामान्य दिनों की तुलना में करीब 65 प्रतिशत अधिक आय हुई। शनिवार रात मौसम ट्ठी सुहावना रहा, जिससे श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया। हजारों श्रद्धालु रातझर गोवर्धन की परिक्रमा करते रहे। रविवार सुबह परिक्रमा पूरी करने के बाद श्रद्धालु अपने घरों की ओर लौटते दिखाई दिए। मथुरा जंक्शन पर भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी ट्रेनों का इंतजार करते नजर आए। भीड़ को देखते हुए रेलवे और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

पूर्णिमा पर मथुरा जंक्शन पर श्रद्धालुओं का उमड़ा जन सैलाब

आठ केंद्रों पर हुई बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा आयोजित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा जनपद के 8 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। इस पाली में कुल 3468 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3009 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए, जबकि 459 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में भी 3468 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें 3010 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 458 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने परीक्षा को नकलविहीन कराया।

अहिल्याबाई होल्कर की मनी जयंती

यूनिक समय,मथुरा। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में सदर बाजार भीम नगर स्थित जिला कार्यालय पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि आगरा मंडल जोन प्रभारी सुरेश बाबू ने लोकमाता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह महान वीरांगना, न्यायप्रिय शासिका, समाज सुधारक थीं। हमको उनके बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर आगरा मंडल जोन प्रभारी नरेश सिंह, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कर्दम, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश कर्दम,गोवर्धन सिंह,किशोर सिंह,प्रेमचंद कर्दम,अनिल बघेल,पवन बघेल,ओमप्रकाश बघेल,सत्येंद्र कुमार, प्रेम सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिक्रमा मार्ग पर सफाई और पेयजल का रहे इंतजाम

अधिकमास परिक्रमा को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम सीपी सिंह।

अधिकमास में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

यूनिक समय,मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने ब्रज 84 कोस परिक्रमा की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने श्रद्धालुओं, पर्यटकों और परिक्रमार्थियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अधिकमास 15 जून तक रहेगा, इस दौरान लाखों श्रद्धालु ब्रज क्षेत्र में परिक्रमा और दर्शन के लिए आ रहे हैं, ऐसे में उनको कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। निगरानी के लिए जनपद को सुपर जोन में विभाजित किया गया है,जिसमें गोवर्धन परिक्रमा की जिम्मेदारी एडीएम वित्त- राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, बरसाना परिक्रमा की जिम्मेदारी एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, वृंदावन परिक्रमा की जिम्मेदारी एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्य, गोकुल–बलदेव–मांट क्षेत्र की जिम्मेदारी एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, शहरी क्षेत्र की जिम्मेदारी नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह को सौंपी गई है। डीएम ने विद्युत विभाग को आंधी, तूफान और वर्षा के कारण उत्पन्न सभी फॉल्ट तत्काल ठीक कर निर्बाध बिजली आपूर्ति, परिक्रमा मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिए। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों को परिक्रमा मार्गों पर नियमित सफाई, मोबाइल और स्थायी शौचालयों की व्यवस्था पर भी जोर दिया। डीएम ने एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत को श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग, बैरियर, ट्रैफिक डायवर्जन और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती जारी रखने को कहा।

भगवान राम की लीलाओं के वर्णन पर झूमे भक्त

यूनिक समय,मथुरा। पुरुषोत्तम मास में गुरू कृपा विलास में आयोजित नौ दिवसीय राम कथा के चौथे दिन कथा व्यास शांतनु महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। उन्होंने बताया गया कि जन्म के 11 वें दिन महर्षि वशिष्ठ ने चारों भाइयों का नामकरण संस्कार किया।

जेष्ठ पुत्र का नाम राम, कैकेयी के पुत्र का नाम भरत और सुमित्रा के पुत्रों के नाम लक्ष्मण और शत्रुघ्न रखे गए। राम नाम की व्याख्या करते हुए कहा कि योगी जन जिस नित्यानंद स्वरूप अनंत चिन्मात्र परमात्मा में रमण करते हैं, वही परम सत्ता श्री राम हैं।

कथा के यजमान प्रभात अग्रवाल पीके ज्वैलर्स ने बताया पांचवे दिन ड्राव्य श्रीराम बारात निकाली जाएगी, इसके लिए भव्य जनकपुरी सजाई जाएगी। चारों भैया घोड़े पर सवार होकर जाएगे। इस मौके पर मीता अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल नौहझील, मनोज मुकुट वाले, अनिल भाई, अंजना अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल नौहझील वाले, प्रियांशु अग्रवाल, विकास अग्रवाल, शैलेष अग्रवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

कथा वाचक से आशीर्वाद लेते हुए यजमान और भक्तगण।

चक रोड सुंदरीकरण के नाम पर कई लाख रुपये हड़पने का रचा खेल

मनरेगा में काम, रोजगार सेवक ने खेत में चलवाया ट्रैक्टर

यूनिक समय, मथुरा। मनरेगा के कच्चे कामों से रोजगार सेवक और प्रधान जमकर मलाई उतार रहे हैं। एक रोजगार सेवक ने चक रोड सुंदरीकरण के नाम पर खेत में ट्रैक्टर चलवा दिया। ग्रामीणों की सजगता से काम की पोल खुल गई तो सचिव ने फटकार लगाते हुए मस्टरोल निरस्त कराया। रोजगार सेवक के इस अनौखे कारनामे की ब्लाक और क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है। मामला फरह ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत पींगरी से जुड़ा है। इस ग्राम पंचायत के रोजगार सेवक भगवान सिंह पचौरी ने प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने से मनरेगा योजना में कई लाख रुपये हड़पने की योजना बनाई। गांव के लोगों ने बताया कि रोजगार सेवक ने 22 मई से पहले गांव गढ़ी पचौरी से होकर भोजपुर के चक मार्ग के नाम पर एक खेत में कल्टीवेटर चलवा दिया। इस काम को मनरेगा से जोड़ा हुआ दर्शाया तो ग्रामीणों के कान खड़े हो गए। खेत में कल्टीवेटर चलने का रहस्य सामने आते ही जागरूक

चक रोड सुंदरीकरण के नाम पर खेत में चलवाए गए ट्रैक्टर के निशान।

ग्रामीणों ने इस मामले की खबर ग्राम पंचायत के सचिव जुगेंद्र सिंह को दी। ग्रामीणों ने बताया कि जानकारी पर आए सचिव ने इस काम को मनरेगा से कराने से साफ मना कर दिया और रोजगार सेवक को फटकार लगाई। इसके बाद रोजगार सेवक के इस कारनामे को लेकर ग्रामीणों में चर्चा शुरू हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान को ऐसे कामों की जानकारी नहीं होती है, रोजगार सेवक मनरेगा में खूब खेल कर रहा है। जांच हो तो इस ग्राम पंचायत में अब तक हुए काफी काम कागजों में ही निकलेंगे, जबकि मजदूर भी चहेते सामने आएंगे।

इस बारे में जानकारी करने पर सचिव जुगेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की जानकारी पर वह मनरेगा के बताए गए कार्य स्थल पर गए, काम को फर्जी मानते हुए रुकवा दिया। मस्टरोल

ग्रामीणों की सजगता से खुली पोल, सचिव ने मस्टरोल कराया निरस्त

को भी निरस्त कर दिया गया।

एक साल में साठ लाख खर्च

यूनिक समय, मथुरा। मनरेगा योजना रोजगार सेवकों के लिए दुधारू बन चुकी है। ग्राम पंचायत पींगरी में ही एक साल के दौरान मनरेगा योजना में साठ लाख रुपये से अधिक के कच्चे काम कराए गए गए हैं। चक रोड मरम्मत, पौधारोपण को गड्ढा खुदान के अलावा गूल सफाई आदि भी मनरेगा से हुए हैं। पौधारोपण और तालाब सुंदरीकरण के नाम पर तो मोटा खेल इस ग्राम पंचायत में हुआ है। पीएम आवास निर्माण के नाम पर भी इस ग्राम पंचायत में रोजगार सेवक भगवान सिंह पचौरी खेल बनाने में लगा हुआ है।

परिक्रमा मार्ग में लगा स्वास्थ्य शिविर, श्रद्धालुओं ने लिया उपचार

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते हुए अतिथि।

यूनिक समय, गोवर्धन। पुरुषोत्तम मास पर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल गोवर्धन और सेवा भारती ब्रज प्रांत गोवर्धन खंड के संयुक्त तत्वावधान में राधाकुंड परिक्रमा मार्ग पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ।

शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष लम्बरदार, समाजसेवी जितेंद्र प्रोहित, सचिव बृजेंद्र शर्मा, नागेंद्र शर्मा, डॉ. विन्देश कुमार और दमन शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

वक्ताओं ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में लाखों श्रद्धालु गोवर्धन और राधाकुंड क्षेत्र में दर्शन–पूजन एवं परिक्रमा के लिए पहुंचते हैं। ऐसे समय में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है।

इस मौके पर डॉ.ललित, डॉ.अविनाश,गुरुदेव,महेश, विष्णु, राहुल, विनीत सहित नर्सिंग स्टाफ आदि मौजूद रहा।

आगरा के एक निजी अस्पताल में हुई मौत, नवजात बेटी है सुरक्षित

उपचार में लापरवाही से प्रसूता की मौत, चिकित्सक पर आरोप

यूनिक समय, फरह । थाना क्षेत्र के गांव पोहपा बुर्ज भदाया निवासी एक युवक ने कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक और स्टाफ पर प्रसूता की देख–रेख में लापरवाही बरतने और रुपये मांगने का आरोप लगाया है। मृतका के पति का कहना है कि चिकित्सक की लापरवाही से उसकी पत्नी की मृत्यु हुई है। नवजात बेटी को अनाथ करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

गांव निवासी जीतू पुत्र साहब सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को पत्र देकर बताया है कि उसने अपनी पत्नी रचना को डिलीवरी के लिए 19 मई की सुबह

मृतका रचना का फाइल फोटो।

स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था। रात्रि करीब 11 बजे सामान्य डिलीवरी के बाद पत्नी ने बेटी को जन्म दिया, इसके बाद जच्चा–बच्चा की अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी और डॉक्टर ने कोई देखरेख नहीं की। ड्यूटी पर तैनात

देख–रेख नहीं करने और तीन हजार रुपये मांगने की हुई है शिकायत

डा. असनानी ने उससे तीन हजार रुपये की मांग की।

कहने लगे कि पैसे दो, तड्डाी देखड्डााल करेंगे। यहां जिस मरीज के तीमारदार पैसा दे रहे हैं,

हम उनकी देखभाल करते हैं। जीतू ने बताया कि रात को अचानक उसकी पत्नी की तबीयत खराब होने लगी तो उसने अस्पताल में शोर किया, लेकिन इसके बावजूद किसी ने पत्नी की देखभाल नहीं की और कह दिया मरीज को कहीं दूसरी जगह ले जाओ। इसके बाद ज्यादा तबियत बिगड़ने पर 20 मई को वह पत्नी को आगरा के एक अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने गंड्डाीर हालत बताढ़कर पहले तो ड्डार्ती करने से मना कर दिया, बाद में उसके विनय करने पर वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन पत्नी की मृत्यु 21 मई को हो गई। मृतका के पति ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा. रामवीर सिंह ने बताया कि प्रसूता की मौत आगरा के निजी अस्पताल में हुई है, सीएससी से दोनों सही घर गए थे। फिर भी पीड़ित के आरोपी की जांच कराई जाएगी।

सैन्य सम्मान से होगी अंतिम विदाई

झांसी में तैनात पिरसुआ के जवान की मौत

यूनिक समय, मथुरा। राया थाना क्षेत्र के गांव पिरसुआ निवासी सेना के जवान विपिन शर्मा के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। शनिवार को उनके निधन की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों और परिजनों में गहरा दुख है। जवान का पार्थिव शरीर रविवार देर रात तक उनके पैतृक गांव पहुंचने की उम्मीद है, जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गांव पिरसुआ निवासी विपिन पुत्र तेजपाल वर्ष 2016 में भारतीय सेना की एएमसी (आर्मी मेडिकल कोर) में भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती झांसी में थी। वह अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन कर रहे थे। उनके निधन की खबर ने परिवार के साथ–साथ गांव के लोगों को भी झकझोर दिया है।

विपिन का विवाह लगभग पांच वर्ष पूर्व हुआ था। उनके परिवार में पत्नी के अलावा जुड़वां बच्चे हैं, जिनमें

जवान विपिन के निधन से गांव में शोक

एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। वह अपने माता–पिता के चार बेटों में से एक थे। उनके बड़े भाई भगवान दास और छोटे भाई सुनील भी भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे हैं, जबकि सबसे छोटे भाई राधाकृष्ण सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रधान प्रतिनिधि गोविंद रावत ने बताया कि जवान विपिन को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। गांव के लोग बड़ी संख्या में उनका पार्थिव शरीर आने पर उन्हें श्रद्धांजलि देने की तैयारी कर रहे हैं।

ग्रामीणों को मिलेगा कई असाध्य बीमारियों का निदान

पूर्वजों के गांव में निशुल्क उपचार देंगे कैंसर चिकित्सक

यूनिक समय, फरह। चकाचौंध के दौर में गांव और ग्रामीण भुलाए जा रहे है। शहर जाने की होड़ भीड़ बढ़ा रही है। ऐसे में एक कैंसर चिकित्सक ने पूर्वजों के गांव के बीमार लोगों के निशुल्क उपचार का संकल्प लिया है।

कई असाध्य बीमारियों के निदान को चिकित्सक ने गांव में दो दिन ओपीडी संचालित करने का संकल्प लिया है।

आगरा सीमा से सटे गांव रैपुराजाट के पूर्व प्रधान स्व. सेठ पूरन चंद अग्रवाल के कई परिजन आगरा बस गए हैं। कारोबार और निवास आगरा में होने के बाद भी परिवार के सदस्यों का गांव आना– जाना बना रहा। पूर्वजों का स्थान,

डा. वरुन अग्रवाल।

खेती बाड़ी होने और गांव से स्नेह होने की वजह से इस परिवार के डा. वरुण अग्रवाल अब ग्रामीणों की निस्वार्थ सेवा करेंगे। कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. वरुण अब महीने के पहले और

हर महीने पहले और तीसरे रविवार को देंगे सेवा

तीसरे रविवार को गांव में ओपीडी संचालित करेंगे, जहां वह मरीजों को निशुल्क परामर्श और उपचार देंगे।

डा. वरुण अग्रवाल ने बताया के वह पूर्वजों द्वारा गांव में स्थापित सेठ नारायण दास विद्यालय में सुबह सात बजे से 10 बजे तक मरीजों का निशुल्क उपचार करेंगे।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ गांव– खुशहाल गांव के संकल्प के साथ वह ग्रामीणों की नर सेवा-नारायण सेवा के भाव के साथ सेवा करेंगे। गांव में पहले और तीसरे रविवार को आयोजित निशुल्क ओपीडी में सामान्य रोग परामर्श, ब्लड़ शुगर जांच, कैंसर और गंभीर रोगों की प्रारंभिक सलाह, सर्जरी परामर्श, दवा और स्वास्थ्य मार्गदर्शन का काम करेंगे।

उन्होंने बताया के निशुल्क ओपीडी का लाभ लेने के लिए मरीजों को बीमारी से सबंधित पुराने जांच और दवाओं के पर्चे साथ लाने होंगे।

डा. वरुण ने बताया कि यह सेवा का काम वह मरीजों को आर्थिक बोझ से राहल दिलाने के उददेश्य से कर रहे हैं। इस ओपीडी में कोई भी मरीज सेवा का लाभ ले सकता है।

चक्की चलनासन का अभ्यास करने से दूर होंगी महिलाओं की ये समस्याएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप भी रोजाना चक्की चलनासन का अभ्यास करती हैं तो इसके आपको कई फायदें मिलेंगे। आइए जानते हैं, इसके बारे में विस्तार से–

आजकल के खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण महिलाओं में पीसीओडी, एंडोमेट्रेसिस और इनफर्टिलिटी जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही है। इन सबसे बचने का बेहतर तरीका केवल योग है। बस रोजाना चक्की चलनासन का अभ्यास करें। इसे करने से महिलाओं की प्रजनन से जुड़ी समस्या दूर होती है। इसके साथ ही सेहत को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं महिलाओं के लिए चक्की चलनासन के फायदे।

पीरियड्स की समस्याओं से राहत

पीरियड्स के दौरान महिलाओं के पेट और कमर में दर्द और ऐठन का सामना करना पड़ता है। चक्की चलनासन के अभ्यास से मासिक धर्म में होने वाले दर्द से काफी राहत मिलती है। वहीं, यह अनियमित पीरियड्स की समस्या को दूर करने में भी सहायक होती है।

प्रजनन स्वास्थ्यों में सुधार

इस योग के करने से महिलाओं के प्रजनन अंगों के कार्यक्षमता में सुधार होता है।

चक्की चलनासन के अभ्यास से प्रजनन तंत्र को मजबूत बनता है। इसके नियमित अभ्यास से इनफर्टिलिटी की समस्या को दूर करने में मदद मिल सकती है।

वजन घटाने में फायदेमंद

चक्की चलनासन के नियमित रूप से अभ्यास करने से वजन कम होता है। यह आसान पूरे शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती है। शरीर में जमी चर्बी को कम करने में मदद करता है।

पेट और कमर की मांसपेशियों को मजबूती दे

ये योग की मदद से पेट और कमर के निचले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे पेल्विक हिस्से की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं, जिससे गर्भधारण करने में मदद मिल सकती है।

रोजाना करें मिलेंगे अनगिनत फायदे

तनाव को कम करें

चक्की चलनासन करने से न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। रोजाना इसके अभ्यास करने से मन शांत रहता है और तनाव, चिंता व अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

चक्की चलनासन करने का तरीका

इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं और अपने पैरों को आगे की ओर फैलाएं। अब हाथों जोड़ें और आगे की ओर बढ़ाएं। अब अपनी पीठ को सीधा रखते हुए, अपने हाथों को पैरों के पास लाएं और चक्की चलाने वाली प्रक्रिया को करें। इस दौरान अपनी सांसों को सामान्य रखें। इस क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज दिशा में 10–10 बार जरूर करना चाहिए।

पहले नहीं खाई होंगी पोहे की बनी स्वादिष्ट इडली

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप घर पर इंस्टेंट इडली बनाना चाहती हैं, तो आप पोहे के इस्तेमाल से इडली बनाकर तैयार कर सकती हैं। पोहे की इडली बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। बल्कि यह दाल–चावल की इडली से ज्यादा आसान होता है।

दक्षिण भारत के खाने का स्वाद हर कोई पसंद करता है। जब भी हेल्दी खाने की बात होती है, तो उसमें दक्षिण भारत के फेमस खाने का जिक्र होता है। खासतौर पर इडली–डोसा लोगों की पहली पसंद है। बड़े–बड़े सिलेब्रिटी भी ब्रेकफास्ट में इडली या डोसा खाना पसंद करते हैं। यह खाने में जितना स्वादिष्ट होता है, उतना ही बनाने में भी आसान होता है। इसको पारंपरिक तरीके से बनाने के लिए उड़द की दाल और चावल की जरूरत पड़ती है।

ऐसे में अगर आप घर पर इंस्टेंट इडली बनाना चाहती हैं, तो आप पोहे के इस्तेमाल से इडली बनाकर तैयार कर सकती हैं। पोहे की इडली बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। बल्कि यह दाल–चावल की इडली से ज्यादा आसान होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर स्वादिष्ट पोहे की इडली बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप भी इसको बनाकर परिवार के साथ स्वाद ले सकें।

पोहे से इडली बनाने की सामग्री

पोहा–1 कप, सूजी–1 कप, दही–1 कप, नमक–स्वादानुसार, ईनो–1 छोटा चम्मच, तेल (सांचे में लगाने के लिए)।

विधि– पोहे की इडली बनाने के लिए

स्वाद ऐसा कि हर कोई पूछेगा रेसिपी

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धो लें। फिर करीब 10 मिनट के लिए पोहे को पानी में भिगो दें। फिर पानी से निकालकर पोहे को पीसकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब एक बड़े बर्तन में पेस्ट के साथ सूजी और दही को मिक्स कर लें। अब अच्छे से मिक्स कर एक गाढ़ा बैटर बनाकर तैयार करें। अगर यह ज्यादा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स कर लें।

अब बैटर को 15–20 मिनट के लिए ढककर रख दें। जिससे कि सूजी अच्छे से फूल जाए। फिर करीब 20 मिनट बाद बैटर में नमक मिलाएं और इडली का स्टीमर तैयार करें। अब गैस पर स्टीमर में पानी भरकर चढ़ा दें, जिससे कि पानी अच्छे से खौल जाए। वहीं साथ ही इडली के सांचे में हल्का–हल्का तेल लगा लें।

जब स्टीमर तैयार हो जाए और पानी उबलने लगे तो बैटर में ईनो मिक्स कर लें। ईनो डालने से बैटर फूलने लगेगा। फिर इडली के पूरे सांचे में बैटर डालें, लेकिन इस दौरान इस बात का ध्यान रखें कि इडली वाला सांचा पूरी तरह से न भरे।

इसके बाद स्टीमर को मीडियम आंच पर 10–15 मिनट तक स्टीम करें। बीच–बीच में आप टूथपिक या चाकू की मदद से इडली को चेक करते रहें। अगर यह पूरी तरह से साफ निकल आती है, तो इसका मतलब है कि इडली बनकर तैयार है। अब आप इसको सांभर के साथ परोसकर खा सकते हैं।

क्या आपने खायी है शुगर फ्री अंजीर की खीर?

यूनिक समय, नई दिल्ली। खीर एक ऐसी स्वीट डिश है जो हम सबको बेहद पसंद आती है। लंच या डिनर के बाद अगर मीठे में खीर मिल जाए तो दिन बन जाता है। लेकिन क्या आपने कभी अंजीर की खीर खायी है? सेहत के गुणों से भरपूर अंजीर को भिगोकर या सूखा दोनों तरह से खाया जाता है। इसके सेवन से वजन कम होता है, कब्ज कंट्रोल किया जाता है साथ ही डायबिटीज के मरीज जिनका मीठा खाने का मन करता है उनके लिए यह डिज़र्ट किसी तोहफे से कम नहीं है। इसमें कैलोरी, कार्ब, प्रोटीन और फाइबर जैसे गुण पाए जाते हैं जो कई समस्याओं से आपका बचाव करते हैं। ऐसे में अगर आपको इस मेवे का खीर खाने को मिले तो क्या कहना? चलिए जानते हैं कैसे बनाएं ये शुगर फ्री डिज़र्ट?

अंजीर की खीर बनाने की सामग्री 1 लीटर दूध, 1 मुट्ठी बासमती चावल, 100 ग्राम अंजीर, 150 ग्राम खजूर, 50 ग्राम गुड़, 7 से 8 बादाम, 7 से 8 काजू, 8–10 पिस्ता, आधा चम्मच केसर, 6 हरी इलायची, 2 टी स्पून बादाम का कतरन, 4 चम्मच देसी घी।

अंजीर की खीर कैसे बनाएं ? : सबसे पहले 1 मुट्ठी बासमती चावल को भिगोकर रख दें। उसके बाद 1 लीटर दूध को गैस ऑन कर गर्म करने के लिए रखें। 100 ग्राम अंजीर लेंगे और उसे दो टुकड़ों में कट कर लें।

अब एक मिक्सर जार लें और उसमें टुकड़े किये हुए अंजीर, 150 ग्राम खजूर और भिगोये हुए बासमती चावल को डालेंगे। इन तीनों सामग्रियों को दरदरा ग्राइंड कर लेंगे। अब गैस ऑन करेंगे और उस पर पैन रखें। पैन में 1 चम्मच घी डालें और 7 से 8 बादाम, 7 से 8 काजू, 8–10 पिस्ता इन सभी ड्राई फ्रूट्स को अच्छी तरह से रोस्ट करें। अब इसी कड़ाही में 3 चम्मच घी डालें और गर्म होने के बाद उसमें अंजीर और चावला का मिश्रण डालें और इन्हें अच्छी तरह से भूनें।

जब मिश्रण अच्छी तरह से भुन जाए तो इसमें दूध डालें और अब खीर को अच्छी तरह से पकने दें। कुछ देर बाद खीर में 50 ग्राम गुड़, आधा चम्मच केसर और 6 हरी इलायची का पाउडर मिक्स करें। अब खीर को ढककर रखें। जब खीर पक जाए तब गैस बंद कर दें। एक बर्तन में खीर निकालें और गार्निश करने के लिए बादाम का कतरन ऊपर से डालें।

प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है भरतपुर नगरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भरतपुर के इन प्रमुख पर्यटन स्थलों के अलावा भी इस नगरी में कई और रोमांचक और सांस्कृतिक स्थल हैं जो आपके पर्यटन अनुभव को और भी समृद्ध बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भरतपुर की स्थानीय संस्कृति, खासतौर पर उसका रंग–बिरंगी लोक नृत्य और संगीत भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

राजस्थान, भारत की धरोहरों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय संगम है। इस प्राचीन भूमि का हिस्सा होने के नाते, यहाँ के नगरों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इसमें से एक नगरी है भरतपुर, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

किला भरतपुरः यह किला भरतपुर का प्रमुख आकर्षण है, जिसे 18वीं सदी में महाराजा सूरजमल ने बनवाया था। इसकी विशेषता उसकी अद्वितीय वास्तुकला और समुद्री ढाल है।

केवलादेव नेशनल पार्कः यह पार्क भारतीय जैव विविधता के लिए जाना जाता है और विशेषतः पक्षी प्रेमियों के बीच लोकप्रिय है। यहाँ अगर आप पक्षियों की खोज में निकलें, तो आपको बहुत सी प्रजातियों का अनुभव मिलेगा।

लोहगढ़ फोर्टः यह फोर्ट भी भरतपुर में स्थित है और यह एक अन्य ऐतिहासिक स्थल है जो 18वीं सदी में बनाया गया था। इसकी महत्वपूर्ण विशेषता उसकी सुंदर वास्तुकला और राजपूतानी स्थापत्य शैली में है।

लोहगढ़ वाणी विलासः यह एक अद्वितीय स्मारक है जो विशेषतः शिकारी महाराजों के लिए बनाया गया था। इसकी शैली और साज सज्जा देखने लायक है।

भरतपुर के इन प्रमुख पर्यटन स्थलों के अलावा भी इस नगरी में कई और रोमांचक और सांस्कृतिक स्थल हैं जो आपके पर्यटन अनुभव को और भी समृद्ध बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भरतपुर की स्थानीय संस्कृति, खासतौर पर उसका रंग–बिरंगी लोक नृत्य और संगीत भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

भरतपुर शहर में स्थित महत्वपूर्ण मंदिर

बांके बिहारी मंदिरः भरतपुर का बांके बिहारी मंदिर कृष्ण भगवान के प्रमुख मंदिरों में माना जाता है।

इस मंदिर में भगवान बांके बिहारी की मूर्ति स्थापित है और यहाँ के भक्त निरंतर उनकी पूजा–अर्चना में जुटे रहते हैं।

लक्ष्मी नारायण मंदिरः यह मंदिर भरतपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जो लक्ष्मी और नारायण को समर्पित है। इसकी महत्वपूर्ण विशेषता उसकी राजपूतानी वास्तुकला और संस्कृति है।

गोलोकधाम मंदिरः यह मंदिर भरतपुर का एक अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जो कृष्ण भगवान को समर्पित है। यहाँ भक्त ध्यान में जुटे रहते हैं। इस मंदिर की स्थापत्य शैली उसकी विशेषता है।

भवानी नाथ मंदिरः भरतपुर में स्थित इस मंदिर में माँ भवानी की मूर्ति स्थापित है, जिसे स्थानीय लोग विशेष श्रद्धा और भक्ति से पूजते हैं।

श्री मुक्तेश्वर महादेव मंदिरः यह मंदिर भरतपुर का एक अन्य प्रसिद्ध महादेव मंदिर है, जिसे शिवजी को समर्पित किया गया है। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग की भक्त निरंतर अर्चना करते हैं और इसकी शांति पूजा महादेव भक्तों को आकर्षित करती है।

सुविचार

हर परिस्थिति में धैर्य रखें, अच्छे समय का इंतजार जरूर फल देता है।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	02:14-04:37 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मूल	07:08-10:06 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	08:19 PM
सूर्यास्त		7:05 PM	चंद्रास्त	06:32 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM -12:43PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:52-04:40
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:10 AM: 08:52 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

क्यों है भगवान शिव को इतना प्रिय?

माता पार्वती के मस्तक से गिरी पसीने की बूंदों से जन्मा बेलपत्र

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का विशेष स्थान है। शिव पुराण और स्कंद पुराण जैसे ग्रंथों में इसका विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि बेलपत्र अर्पण किए बिना शिव की पूजा अधूरी मानी जाती है। सावन के महीने, सोमवार या शिवरात्रि जैसे विशेष अवसरों पर बेलपत्र चढ़ाना और भी फलदायी होता है।

बेलपत्र को 'शिवद्रुम' और 'बिल्व पत्र' भी कहा जाता है। इसकी तीन पत्तियों वाली संरचना भगवान शिव के त्रिनेत्र, त्रिशूल और त्रिगुणों (सत्व, रज, तम) की प्रतीक मानी जाती है। साथ ही यह ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का भी प्रतिनिधित्व करती है। बेलपत्र अर्पण करने से व्यक्ति के तीन जन्मों के पाप नष्ट होते हैं, ऐसी मान्यता है।

बेलपत्र की उत्पत्ति को लेकर एक पौराणिक कथा स्कंद पुराण में मिलती है। कथा के अनुसार, माता पार्वती एक बार मंदराचल पर्वत पर तपस्या कर रही थीं। तप के दौरान उनके मस्तक से पसीने की बूंदें गिरीं, जिससे बेल वृक्ष का जन्म हुआ। इसे माता पार्वती ने 'बिल्व वृक्ष' नाम दिया और कहा कि जो भक्त इस वृक्ष के पत्तों से शिव की पूजा करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। बेल वृक्ष के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग देवी–शक्तियों का वास माना गया है। इसकी जड़ों में गिरिजा और राधारानी, तने में महेश्वरी, शाखाओं में दक्षायायनी और फलों में कात्यायनी का वास बताया गया है। यहां तक कि इसके कांटों में भी शक्तियों का निवास माना जाता है।

बेलपत्र न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत लाभकारी है।

इसमें विटामिन सी, ए, कैल्शियम, पोटैशियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन पाचन, मधुमेह, त्वचा और सांस संबंधी रोगों में उपयोगी है।

बेलपत्र भगवान शिव की उग्रता को शांत करता है और भक्ति को प्रकट करने का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। यही कारण है कि शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाकर भक्त शिव की कृपा प्राप्त करते हैं और जीवन में शांति, समृद्धि और पुण्य का लाभ पाते हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

वृषभ: धैर्य और समझदारी से काम लें। नौकरी और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन: आज नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ संभव है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: कार्यस्थल पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। धन संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह: आज आत्मविश्वास और ऊर्जा भरपूर रहेगी। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। व्यापार में लाभ होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या: कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

तुला: आज भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के संकेत हैं। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। परिवार में खुशहाली रहेगी।

वृश्चिक: धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य और खानपान पर विशेष ध्यान दें।

धनु: नई योजनाएं लाभदायक साबित हो सकती हैं। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर: आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है। परिवार और मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ संभव है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन: आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

स्टाफ नहीं दे रहा साथ, ऑफिस की उत्तर–पश्चिम दिशा से जुड़ा है समाधान

यूनिक समय, मथुरा। किसी भी ऑफिस या व्यवसाय की सफलता का मूल एक मजबूत और समर्पित स्टाफ होता है। लेकिन अगर कर्मचारी बार–बार बदलते हैं, साथ नहीं देते या जिम्मेदार नहीं दिखते, तो इसकी वजह सिर्फ प्रबंधन की कमी नहीं, बल्कि वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस की उत्तर–पश्चिम (नॉर्थ–वेस्ट) दिशा कर्मचारियों और सपोर्ट सिस्टम से जुड़ी होती है। इस दिशा में दोष होने पर स्टाफ अस्थिर हो सकता है और ऑफिस का माहौल भी नकारात्मक बन सकता है।

इंदौर निवासी वास्तु विशेषज्ञ हिमाचल सिंह के अनुसार, नॉर्थ–वेस्ट दिशा अगर गंदगी, भारी सामान, टूटे उपकरण या टॉयलेट–किचन जैसी

संरचनाओं से प्रभावित हो तो यह स्टाफ से जुड़ी समस्याएं बढ़ा सकती है। यहां की नकारात्मक ऊर्जा कर्मचारियों के मनोबल और समर्पण पर असर डालती है।

इसका समाधान सरल है इस दिशा को हल्का और साफ रखें। भारी वस्तुएं हटाएं, सफेद या हल्के ग्रे रंग का प्रयोग करें और ऊर्जा को सक्रिय रखने के लिए सफेद लाइट या रिफ्लेक्टर लगाएं। यदि संभव हो, तो इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टाफ को पर्याप्त हवा और रोशनी मिलनी चाहिए।

जब उत्तर–पश्चिम दिशा संतुलित होती है, तो टीम में स्थिरता आती है, सहयोग की भावना बढ़ती है और कर्मचारियों में जिम्मेदारी का भाव भी मजबूत होता है। यह बदलाव न केवल ऑफिस के माहौल को सकारात्मक बनाता है, बल्कि बिजनेस की प्रोडक्टिविटी और ग्रोथ को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाता है।

मानसिक तनाव और नकारात्मक सोच से हैं परेशान तो धारण करें रुद्राक्ष

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव, चिंता और निराशा आम समस्याएं बन चुकी हैं। लोग तरह–तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन कभी–कभी आध्यात्मिक समाधान भी अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होते हैं। ऐसा ही एक उपाय है–भगवान शिव की प्रिय वस्तु रुद्राक्ष का धारण करना। देवघर के प्रसिद्ध बैद्यनाथ मंदिर के तीर्थपुरोहित प्रमोद श्रृंगारी बताते हैं कि रुद्राक्ष केवल एक धार्मिक गहना नहीं, बल्कि एक ऊर्जावान और वैज्ञानिक दृष्टि से प्रभावी वस्तु है, जो मानसिक स्थिति को स्थिर करता है और नकारात्मक विचारों को दूर करता है।

शिव पुराण के अनुसार, रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से गिरे आंसुओं से हुई थी।

यह अत्यंत पवित्र माना जाता है और शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व रखता

है।

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, रुद्राक्ष धारण करने से मानसिक शांति मिलती है, आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

प्रमोद श्रृंगारी बताते हैं कि रुद्राक्ष 1 से लेकर 21 मुखी तक पाए जाते हैं, लेकिन सामान्यतः 14 मुखी तक के रुद्राक्ष का ही उपयोग किया जाता है। हर रुद्राक्ष की एक विशिष्ट ऊर्जा और प्रभाव होता है। यदि व्यक्ति मानसिक तनाव, चिंता या नकारात्मक सोच से परेशान है, तो पांच मुखी रुद्राक्ष सबसे उपयुक्त माना गया है। यह रुद्राक्ष मन को स्थिर करता है और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। रुद्राक्ष धारण करने से पहले कुछ धार्मिक नियमों और विधियों का पालन करना आवश्यक है, अन्यथा उसका प्रभाव कम या शून्य भी हो सकता है। तीर्थपुरोहित के अनुसार, रुद्राक्ष को धारण करने से पहले उसे शिवलिंग पर रखकर गंगाजल, दूध और शुद्ध जल से अभिषेक करें। फिर मंत्रों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा करें। इसके लिए "ॐ नमः शिवाय" या "ॐ रुद्राय नमः" मंत्र का जप करते हुए अभिषेक करना श्रेष्ठ माना जाता है। अभिषेक के बाद रुद्राक्ष को एक शुभ मुहूर्त में धारण करें, विशेषकर सोमवार या किसी शिव–पर्व पर। रुद्राक्ष धारण करने से पहले किसी योग्य पंडित या ज्योतिषी से सलाह अवश्य लें। सभी रुद्राक्ष हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं होते। गलत मुखी रुद्राक्ष पहनने से विपरीत परिणाम भी हो सकते हैं। रुद्राक्ष धारण करने के बाद शराब, मांस, अधिक क्रोध, झूठ आदि से दूर रहना चाहिए।

रुद्राक्ष केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का सशक्त माध्यम है। यदि आप बार–बार आने वाली नकारात्मक सोच, बेचैनी या हताशा से परेशान हैं, तो रुद्राक्ष एक सरल, सुलभ और प्रभावशाली उपाय हो सकता है। लेकिन ध्यान रहे कि इसे सही विधि से और श्रद्धा के साथ धारण करना अनिवार्य है। भगवान शिव की कृपा से जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा स्वतः आ जाएगी।

सम्पादकीय

शादी की चमक से बड़ी होती है संवेदना

भारतीय समाज में विवाह केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव भी माना जाता है। सदियों से शादियां रिश्तों, परंपराओं और सामूहिक खुशियों का प्रतीक रही हैं। लेकिन बदलते समय के साथ विवाह समारोहों का स्वरूप भी तेजी से बदला है। आज कई शादियां संस्कारों से अधिक प्रदर्शन का माध्यम बनती जा रही हैं। महंगे डेस्टिनेशन, भव्य सजावट, करोड़ों का खर्च और सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरने की होड़ ने विवाह की मूल भावना को कहीं न कहीं पीछे छोड़ दिया है। ऐसे दौर में महाराष्ट्र के बहादुरपुरा गांव से आई खबर समाज को एक नई दिशा दिखाती है।

पवन गौतम
संपादक

सिद्धेश्वर पेठकर के परिवार ने अपने बेटे की शादी को केवल निजी खुशी तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने पूरे गांव के 3,465 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर यह साबित किया कि जीवन के सबसे बड़े उत्सव को सामाजिक जिम्मेदारी से भी जोड़ा जा सकता है। यह कदम केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील सोच का उदाहरण है।आज जब अनेक परिवार सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर देते हैं, तब ऐसे उदाहरण यह याद दिलाते हैं कि विवाह का वास्तविक उद्देश्य दिखावा नहीं, बल्कि खुशियों का साझा करना है। लाखों रुपये की आतिशबाजी कुछ मिनटों में खत्म हो जाती है, महंगी सजावट अगले दिन उतर जाती है और भव्य आयोजन की चर्चा भी समय के साथ धुंधली पड़ जाती है। लेकिन किसी जरूरतमंद की मदद, किसी छात्र की शिक्षा या किसी परिवार की सुरक्षा के लिए किया गया प्रयास वर्षों तक याद रखा जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की सकारात्मक पहलें बढ़ रही हैं। कहीं विवाह के अवसर पर पौधरोपण किया जा रहा है, कहीं पुस्तकालय स्थापित किए जा रहे हैं, तो कहीं गरीब बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा उठाया जा रहा है। यह बदलाव बताता है कि नई पीढ़ी सामाजिक सरोकारों को समझ रही है और उत्सवों को समाज के लिए उपयोगी बनाने की दिशा में सोच रही है। निस्संदेह हर परिवार बड़े स्तर पर योगदान नहीं दे सकता। लेकिन समाज सेवा के लिए बड़ी संपत्ति नहीं, बल्कि बड़ा दृष्टिकोण चाहिए। यदि विवाह समारोहों में भोजन की बर्बादी रोकी जाए, जरूरतमंदों की सहायता की जाए या किसी सार्वजनिक सुविधा में योगदान दिया जाए, तो छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। विवाह जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर होता है। यदि इस अवसर पर खुशियों के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाए, तो उसका प्रभाव केवल दो परिवारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को प्रेरित करता है। आज आवश्यकता इसी सोच को बढ़ावा देने की है, ताकि शादियों की पहचान केवल खर्च और चमक-दमक से नहीं, बल्कि संवेदनाओं, सहयोग और सामाजिक सरोकारों से हो। यही वह बदलाव है जो समाज को अधिक मानवीय, जिम्मेदार और संवेदनशील बना सकता है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

अवैध घुसपैठ पर सख्ती : सुरक्षा कानून और संतुलन की चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम बंगाल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ चल रहा अभियान एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और जनसांख्यिकीय संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को चर्चा के केंद्र में ले आया है। सीमावर्ती राज्यों में अवैध प्रवेश का मुद्दा नया नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में जिस तेजी से पहचान, सत्यापन और प्रत्यावर्तन की कार्रवाई आगे बढ़ी है, उसने इस बहस को और व्यापक बना दिया है।

भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें पश्चिम बंगाल का हिस्सा सबसे संवेदनशील माना जाता है। दशकों से यह आरोप लगता रहा है कि आर्थिक, सामाजिक और अन्य कारणों से बड़ी संख्या में लोग अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में प्रवेश करते रहे हैं। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि इससे रोजगार, संसाधनों के वितरण, सुरक्षा और स्थानीय सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है।

हाल में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में होल्डिंग सेंटरों की संख्या बढ़ाना और संदिग्ध घुसपैठियों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाना इस बात का संकेत है कि प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहा है। यदि किसी व्यक्ति के पास वैध नागरिकता संबंधी दस्तावेज नहीं हैं या जांच में उसके विदेशी नागरिक होने के प्रमाण मिलते हैं, तो कानून के अनुसार उसकी स्थिति का निर्धारण और आवश्यक कार्रवाई करना सरकार का दायित्व है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की पहली जिम्मेदारी अपनी सीमाओं की सुरक्षा और नागरिकता व्यवस्था की रक्षा करना होती है।

इस पूरे अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू फर्जी दस्तावेजों का नेटवर्क है। यदि किसी विदेशी नागरिक को अवैध तरीके से पहचान पत्र, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं, तो यह केवल घुसपैठ का मामला नहीं रह जाता, बल्कि प्रशासनिक और संस्थागत भ्रष्टाचार का विषय भी बन जाता है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि उन लोगों की जिम्मेदारी तय हो सके जिन्होंने कानून का उल्लंघन करते हुए यह व्यवस्था बनाई।

हालांकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति को केवल संदेह के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता। पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, कानूनी और मानवीय होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भारतीय नागरिकों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो और किसी निर्दोष व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो। कानून का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है, न कि भय का वातावरण बनाना।

सीमा सुरक्षा बल और संबंधित एजेंसियों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आधुनिक तकनीक, बेहतर निगरानी व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोगात्मक संबंध भी इस प्रक्रिया को सुगम बना सकते हैं। नागरिकता सत्यापन और प्रत्यावर्तन जैसी प्रक्रियाएं तभी सफल हो सकती हैं जब दोनों देशों की एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें।

अवैध घुसपैठ का मुद्दा केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसके सामाजिक और आर्थिक आयाम भी हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अक्सर रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कुछ तत्व इन परिस्थितियों का लाभ उठाकर अवैध नेटवर्क तैयार कर लेते हैं। इसलिए केवल सख्ती

पर्याप्त नहीं है; सीमा क्षेत्रों के विकास, स्थानीय रोजगार और प्रशासनिक पारदर्शिता पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह विषय लंबे समय से विवाद और बहस का केंद्र रहा है। विभिन्न दलों ने समय-समय पर अपने-अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर व्यापक सहमति विकसित करना आवश्यक है। यह किसी एक दल या सरकार का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे देश से जुड़ा प्रश्न है। इस अभियान की सफलता का वास्तविक आकलन केवल आंकड़ों से नहीं होगा। महत्वपूर्ण यह है कि क्या इससे अवैध प्रवेश के नेटवर्क को स्थायी रूप से कमजोर किया जा सका, क्या फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोहों पर प्रभावी कार्रवाई हुई और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की गई। यदि कार्रवाई केवल अस्थायी साबित होती है, तो समस्या दोबारा उभर सकती है।

साथ ही, यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। इसलिए हर कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर और मानवाधिकारों का सम्मान करते हुए की जानी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन ही किसी भी सफल नीति की पहचान होता है।

पश्चिम बंगाल में चल रहा वर्तमान अभियान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। यह स्पष्ट संदेश देता है कि अवैध घुसपैठ और दस्तावेज जालसाजी जैसी गतिविधियों को अनदेखा नहीं किया जाएगा। साथ ही यह भी आवश्यक है कि सत्यापन प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रहे, ताकि कानून का पालन करते हुए न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

अंततः, किसी भी देश की मजबूती उसकी सुरक्षित सीमाओं, प्रभावी प्रशासन और कानून के समान अनुपालन पर निर्भर करती है। अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई का उद्देश्य केवल लोगों को वापस भेजना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना होना चाहिए जिसमें भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं के लिए कोई स्थान न बचे। यदि सुरक्षा, विकास, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए, तो यह अभियान केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

विचार पिण्डो

पर्यटन का भविष्य : तकनीक और मानवीय संवेदनाओं का संगम

राजेश कुमार शर्मा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने दुनिया के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है और पर्यटन उद्योग भी इससे अछूता नहीं है। आज यात्रा की योजना बनाने से लेकर होटल बुकिंग, भाषा अनुवाद, भीड़ प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, एआई की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। तकनीक ने पर्यटन को अधिक सुविधाजनक, तेज और व्यक्तिगत बनाया है। लेकिन इस बदलाव के बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है-क्या पर्यटन उद्योग में बढ़ती तकनीक मानवीय संवेदनाओं और आतिथ्य की उस आत्मा को कमजोर कर देगी, जो इस क्षेत्र की सबसे बड़ी पहचान रही है?

पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह संस्कृतियों, परंपराओं, अनुभवों और भावनाओं को जोड़ने का माध्यम है। किसी स्थान की सुंदरता केवल उसके प्राकृतिक दृश्यों या ऐतिहासिक इमारतों में नहीं होती, बल्कि वहां के लोगों की आत्मीयता, व्यवहार और मेहमाननवाजी में भी होती है। यही कारण है कि पर्यटन उद्योग में मानवीय संपर्क का महत्व आज भी सर्वोपरि है।

एआई ने यात्रियों के अनुभव को अधिक सरल और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म यात्रियों की पसंद, बजट और यात्रा इतिहास का विश्लेषण कर उनके लिए व्यक्तिगत सुझाव तैयार कर रहे हैं। होटल, रेस्तरां और पर्यटन स्थल अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए डेटा आधारित निर्णय ले रहे हैं। रीयल-टाइम अनुवाद तकनीक ने भाषा की बाधाओं को काफी हद तक समाप्त कर दिया है। इससे विदेशी पर्यटकों के लिए नए स्थानों की यात्रा करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है।

धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर भी एआई आधारित निगरानी और भीड़ प्रबंधन प्रणाली का उपयोग बढ़ रहा है। इससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो रहा है। स्मार्ट टूरिज्म की अवधारणा इसी तकनीकी परिवर्तन का परिणाम है, जिसमें डेटा, डिजिटल सेवाओं और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर पर्यटन को अधिक व्यवस्थित बनाया जा रहा है।

हालांकि तकनीक की इन उपलब्धियों के बावजूद यह स्वीकार करना होगा कि पर्यटन उद्योग का मूल आधार मानवीय अनुभव है। कोई भी मशीन या चैटबॉट उस आत्मीय मुस्कान की जगह नहीं ले सकता, जो किसी होटल कर्मचारी द्वारा अतिथि के स्वागत के समय दिखाई देती है। कोई एल्गोरिद्म उस स्थानीय गाइड की जीवंत कहानी का विकल्प नहीं बन सकता, जो किसी ऐतिहासिक स्थल के पीछे छिपी संस्कृति और परंपराओं को रोचक ढंग से प्रस्तुत करता है।

भारत जैसे देश में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां की सांस्कृतिक परंपरा "अतिथि देवो भव" के सिद्धांत पर आधारित है। भारतीय पर्यटन की सबसे बड़ी ताकत केवल उसके पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि उसकी मेहमाननवाजी, विविधता और मानवीय जुड़ाव है। यदि पर्यटन पूरी तरह मशीनों और स्वचालित प्रणालियों पर निर्भर हो जाए, तो यह उसकी आत्मा को कमजोर कर सकता है।

इसलिए आवश्यकता तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करने की है। एआई को मनुष्य का विकल्प नहीं बल्कि सहयोगी बनाया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य कर्मचारियों की जगह लेना नहीं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता बढ़ाना होना चाहिए। जहां मशीनें डेटा विश्लेषण, बुकिंग प्रबंधन और सूचना उपलब्ध कराने जैसे कार्य कर सकती हैं, वहीं मानवीय संपर्क, भावनात्मक समझ और व्यक्तिगत सेवा की जिम्मेदारी इंसानों के पास ही रहनी चाहिए। इस बदलते दौर में शिक्षा और कौशल विकास की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों को अपने पाठ्यक्रमों में आधुनिक तकनीक के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संवाद कौशल और संकट प्रबंधन जैसे विषयों को भी शामिल करना होगा। आने वाले समय में वही पेशेवर सफल होंगे जो तकनीकी दक्षता और मानवीय संवेदनशीलता दोनों में संतुलन स्थापित कर सकेंगे।

कौशल विकास केंद्रों को भी युवाओं को एआई उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण देना चाहिए। इससे वे नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे और रोजगार के बदलते स्वरूप के अनुरूप स्वयं को तैयार कर पाएंगे। तकनीक से डरने के बजाय उसे अवसर के रूप में देखना समय की मांग है। भारत सरकार द्वारा "देखो अपना देश" जैसी पहलें घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूत कर रही हैं। एआई का उपयोग इन पहलों को और प्रभावी बनाने में किया जा सकता है। डिजिटल आर्काइव, वर्चुअल टूर, स्मार्ट गाइड सिस्टम और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि तकनीक हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जगह न ले, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाए। नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों को मिलकर ऐसी रणनीति विकसित करनी होगी जिसमें नवाचार और मानवीय मूल्य दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हों। तकनीक का उपयोग पर्यटन को सुरक्षित, सुगम और प्रभावी बनाने के लिए किया जाए, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि मानवीय संपर्क और आतिथ्य की भावना कमजोर न पड़े।

अंततः पर्यटन केवल किसी स्थान को देखने का नाम नहीं है। यह अनुभवों को जीने, नई संस्कृतियों को समझने और लोगों से जुड़ने की प्रक्रिया है। एआई यात्रा को आसान और सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन उसे यादगार बनाने का कार्य आज भी इंसानी संवेदनाएं ही करती हैं। इसलिए पर्यटन का भविष्य न केवल तकनीक में है और न केवल परंपराओं में, बल्कि दोनों के संतुलित और समन्वित मेल में है। यही संतुलन पर्यटन उद्योग को अधिक समृद्ध, टिकाऊ और मानवीय बना सकता है।

भुवनेश्वर कुमार पर होगी अहम जिम्मेदारी

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात कप्तान का रिकॉर्ड शानदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच खिताब की जंग में सबसे बड़ी नजर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर रहेगी, जिन्होंने पूरे सीजन में अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में यदि आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताब जीतना है तो उसे गिल को जल्द से जल्द पवेलियन भेजने की रणनीति बनानी होगी। शुभमन गिल इस सीजन शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक 15 मैचों में 722 रन बनाए हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी बल्लेबाजी ने गुजरात को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में फाइनल में भी गुजरात के समर्थकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

हालांकि आरसीबी के पास एक ऐसा गेंदबाज मौजूद है, जिसने आईपीएल में गिल को सबसे ज्यादा परेशान किया है। यह गेंदबाज हैं अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार। आईपीएल में दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबलों के आंकड़े भुवनेश्वर के पक्ष में दिखाई देते हैं।

शुभमन गिल ने भुवनेश्वर कुमार की 79 गेंदों का सामना करते हुए 80 रन बनाए हैं, जबकि इस दौरान भुवनेश्वर उन्हें छह बार आउट कर चुके हैं। गिल का स्ट्राइक रेट भी भुवनेश्वर के खिलाफ सिर्फ 101.27 का रहा है, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से काफी कम माना जाता है।

आईपीएल में 6 बार शुभमन गिल का विकेट ले चुके हैं भुवी

पहले क्वालीफायर में भी भुवनेश्वर कुमार ने शुभमन गिल को क्लीन बोल्ड कर आरसीबी को शानदार शुरुआत दिलाई थी। ऐसे में फाइनल में भी नई गेंद के साथ भुवनेश्वर पर गुजरात के कप्तान को जल्दी आउट करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। यदि आरसीबी शुरुआती ओवरों में गिल का विकेट हासिल कर लेती है तो मैच में उसकी पकड़ मजबूत हो सकती है। हालांकि शुभमन गिल का रिकॉर्ड नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बेहद शानदार रहा है। गुजरात टाइटंस के घरेलू मैदान पर उन्होंने 2021 से 2026 के बीच 31 आईपीएल पारियों में 1374 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 49.07 और स्ट्राइक रेट 162.98 का रहा है।

धमकियों और ट्रोलिंग का किया सामना

'घूसखोर पंडत' विवाद पर बोले मनोज बाजपेयी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी विवादित फिल्म 'घूसखोर पंडत' के शीर्षक को लेकर हुए विवाद पर पहली बार विस्तार से प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म के नाम को लेकर सोशल मीडिया पर इतना बड़ा विवाद खड़ा हो गया कि उन्हें और उनके परिवार को भी धमकियों तथा ऑनलाइन दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा।

हालांकि, मनोज बाजपेयी का कहना है कि जैसे ही विवाद सामने आया, उन्होंने और फिल्म निर्माताओं ने दो दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली थी। इसके बावजूद ट्रोलिंग और आलोचना का दौर जारी रहा। अभिनेता के अनुसार, रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों को समाज की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और यदि किसी बात

से लोगों को ठेस पहुंचती है तो उसे सुधारने का प्रयास करना चाहिए। मनोज ने कहा कि पूरे विवाद के दौरान फिल्म से जुड़े कलाकार और तकनीकी टीम मानसिक रूप से काफी परेशान रही। सोशल मीडिया पर उन्हें गालियां दी गईं, धमकियां मिलीं और यहां तक कि उनके परिवार को भी निशाना बनाया गया। इसके बावजूद उन्होंने अपने काम पर ध्यान बनाए रखा और किसी भय के बिना अपनी दिनचर्या जारी रखी।

अभिनेता का मानना है कि कई लोगों ने फिल्म की वास्तविक कहानी

परिवार को घसीटे जाने पर जताया दुख

या विषयवस्तु जाने बिना केवल शीर्षक के आधार पर राय बना ली। उनके अनुसार, फिल्म का विषय विवाद से बिल्कुल अलग था, लेकिन आज के दौर में लोग पूरी जानकारी हासिल किए बिना प्रतिक्रिया देने के लिए जल्दबाजी करते हैं। इन दिनों मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म राज्यपाल' को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर हाल ही में जारी हुआ है और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेता ने कहा कि आलोचना और विवाद किसी भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन संवाद और समझदारी से उन्हें सुलझाया जा सकता है।

कैलाश खेर की आवाज से गूंजेगा स्टेडियम

आईपीएल फाइनल से पहले सजेगा संगीत का मंच

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स खिताब के लिए आमने–सामने होंगी। क्रिकेट के इस महामुकाबले से पहले रंगारंग क्लोजिंग सेरेमनी दर्शकों के उत्साह को और बढ़ाने वाली है।

क्लोजिंग सेरेमनी में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर अपनी दमदार और सूफियाना आवाज का जादू बिखेरेंगे। उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति मैच से पहले स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और करोड़ों टीवी दर्शकों में नया जोश भरने का काम करेगी।

कैलाश खेर के अलावा गुजरात के

चर्चित लोक गायक अरविंद वेगड़ा भी मंच पर प्रस्तुति देंगे। 'जबरो फैन' और 'भला मोरी रामा' जैसे गीतों से पहचान बनाने वाले अरविंद वेगड़ा अपनी लोक शैली से समारोह को खास रंग देंगे।

इस संगीत संध्या में गुजराती लोक गायिका देवांश शाह भी अपनी प्रस्तुति देंगी। देवांशी कई रियलिटी शो में अपनी गायकी का हुनर दिखा चुकी हैं

लोक कलाकार बढ़ाएंगे खिलाड़ियों का जोश

और उनकी मौजूदगी समारोह को स्थानीय सांस्कृतिक रंग प्रदान करेगी।

फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नेतृत्व रजत पाटीदार करेंगे। दोनों टीमें शानदार फॉर्म में हैं, जिससे खिताबी मुकाबले के बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

मैच का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर देखा जा सकेगा, जबकि ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी।

एक पारी तय करेगी सीजन का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

ऑरेंज कैप पर मंडराया वैभव की बादशाहत पर खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला केवल ट्रॉफी की जंग नहीं, बल्कि ऑरेंज कैप की लड़ाई के लिए भी बेहद अहम साबित होने वाला है। वैभव सूर्यवंशी भले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हों, लेकिन 776 रन के साथ अब भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं।

महज 15 वर्ष की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने पूरे सीजन में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत को चौंका दिया।

उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 237.31 और औसत 48.50 रहा, जो इस सीजन की सबसे प्रभावशाली पारियों में गिना जा रहा है।

गिल और सुदर्शन फाइनल में बदल सकते हैं समीकरण

हालांकि फाइनल में खेल रही गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल उनकी बादशाहत के लिए सबसे बड़ा खतरा बने हुए हैं। गिल ने 15 मैचों में 722 रन बनाए हैं और वे वैभव से सिर्फ 54 रन पीछे हैं। यदि फाइनल में गिल 55 रन बना लेते हैं, तो ऑरेंज कैप उनके नाम हो जाएगी।

वहीं गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शनभी इस दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। सुदर्शन के नाम 16 मैचों में 710 रन हैं और वे वैभव से 66 रन पीछे हैं। फाइनल में 67 रन बनाते ही वे भी ऑरेंज कैप हासिल कर सकते हैं।

मां मोहिनी मणि को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अजीत कुमार के दुख में शामिल हुए सीएम विजय

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता अजित कुमार की मां मोहिनी मणि के निधन के बाद फिल्म और राजनीतिक जगत की कई हस्तियां उनके घर पहुंचीं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई स्थित आवास पर पहुंचकर अजीत कुमार और उनके परिवार को सांत्वना दी। उनके साथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन भी मौजूद थीं।

रिपोर्ट्स के अनुसार मोहिनी मणि लंबे समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। निधन की खबर मिलने के बाद अजीत कुमार दुबई से तुरंत चेन्नई लौटे। इसके बाद फिल्म उद्योग और राजनीतिक क्षेत्र से लगातार शोक संदेश आने लगे।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मुख्यमंत्री विजय कड़े सुरक्षा घेरे के बीच अजीत कुमार के घर पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अभिनेता से मुलाकात कर उनकी मां को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अभिनेत्री तृषा कृष्णन भी अजीत कुमार के घर पहुंचीं और परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर शोक जताया। विजय और तृषा के दौरे के वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए जा रहे हैं।

मोहिनी मणि के निधन से तमिल फिल्म उद्योग में शोक की लहर है। अभिनेता कमल हासन सहित कई प्रमुख हस्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

डिफेंस कॉरिडोर को मिला बड़ा निवेश

अलीगढ़ में बनेगा सोलर ड्रोन रोजगार को मिलेगी उड़ान

यूनिक समय, अलीगढ। ताला और हार्डवेयर उद्योग के लिए प्रसिद्ध अलीगढ़ अब रक्षा और ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में भी नई पहचान बनाने की ओर बढ़ रहा है। बेंगलुरु स्थित नए अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकियाँ (एनआरटी) ने यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अलीगढ़ नोड में मानव रहित विमान (यूएवी) निर्माण इकाई स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी को इसके लिए 3.5 एकड़ भूमि आवंटित की गई है।

एनआरटी देश की प्रमुख निजी रक्षा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल है। कंपनी को हाल ही में रक्षा मंत्रालय से सोलर पावर्ड यूएवी की आपूर्ति का महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इसके बाद अलीगढ़ में प्रस्तावित यह इकाई डिफेंस कॉरिडोर की बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है।

प्रस्तावित फैक्टरी में सोलर ड्रोन और उनसे जुड़ी आधुनिक प्रणालियों का निर्माण होने की संभावना है। रक्षा क्षेत्र में ड्रोन तकनीक की बढ़ती मांग को देखते हुए यह निवेश रणनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीमा सुरक्षा, निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में यूएवी की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

इस परियोजना से स्थानीय उद्योगों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। ड्रोन निर्माण में प्रिसिजन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, मेटल फैब्रिकेशन और अन्य तकनीकी उपकरणों की आवश्यकता होती है। इससे अलीगढ़ के छोटे और मध्यम उद्योगों को सप्लाई चेन का हिस्सा बनने का अवसर मिल सकता है।

रक्षा मंत्रालय के ऑर्डर से बढ़ी औद्योगिक उम्मीदें

साथ ही इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर भी पैदा होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश केवल एक फैक्टरी नहीं, बल्कि अलीगढ़ की औद्योगिक पहचान को नई दिशा देने वाला कदम है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के छह प्रमुख नोड्स में शामिल अलीगढ़ में पहले से कई रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियां निवेश की रुचि दिखा चुकी हैं। एनआरटी की यह परियोजना धरातल पर उतरने वाली महत्वपूर्ण औद्योगिक पहल मानी जा रही है।

वायरल वीडियो के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

हापुड़ में वर्चस्व की लड़ाई सड़क पर पहुंची

यूनिक समय, हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में वर्चस्व को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मामला सिंभावली थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और बीच सड़क पर जमकर मारपीट शुरू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लात–घूंसे और बेल्ट चलने लगे। सड़क पर खुलेआम हो रही इस मारपीट से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने किसी तरह खुद को बचाया, जबकि कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

घटना का वीडियो किसी राहगीर ने

मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कई युवक एक–दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। सार्वजनिक स्थान पर हुई इस मारपीट ने कानून–व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और झगड़े में शामिल युवकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पहचान होने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी

दो पक्षों में चले लात–घूंसे और बेल्ट

कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना लोगों को वर्ष 2021 में बागपत में दो चाट विक्रेताओं के बीच हुई चर्चित मारपीट की याद दिला रही है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर "बागपत की लड़ाई" के नाम से वायरल हुआ था। हालांकि, हापुड़ की इस घटना में पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी विवाद को हिंसा का रूप न दें और कानून अपने हाथ में लेने से बचें।

बुलडोजर और एनकाउंटर की उठाई मांग

असद एनकाउंटर के बाद बोलीं सूर्या की मां

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में चर्चित सूर्या हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद मृतक की मां सरोज की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी तसल्ली तब होगी जब वह असद की तस्वीर देख लेंगी। साथ ही उन्होंने मामले में शामिल अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सरोज ने कहा कि उनके बेटे की हत्या में सात लोग शामिल थे। उनके अनुसार किसी ने सूर्या के हाथ पकड़े, किसी ने पैर पकड़े और फिर उस पर हमला किया गया। उन्होंने मांग की कि सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोपियों के

घरों पर बुलडोजर चलाने और सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की बात कही। पुलिस के अनुसार असद पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे घेर लिया। अधिकारियों का कहना है कि आत्मसमर्पण के लिए कहे जाने पर उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर उसकी मृत्यु हो गई।

मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों

बाकी आरोपियों पर भी हो सख्त कार्रवाई

के बीच कई राउंड फायरिंग हुई। यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि बकरीद के दिन हुए विवाद में असद ने सूर्या पर चाकू से हमला किया था। गंभीर रूप से घायल सूर्या का उपचार के दौरान 29 मई को निधन हो गया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले में शेष आरोपियों की तलाश और जांच की कार्रवाई जारी रखे हुए है। मामले में आरोपियों की दोषसिद्धि और सजा का अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत द्वारा किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे पर रीलबाजी पड़ी भारी

स्टंट करने वाले युवकों पर पुलिस का शिकंजा

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे पर रील बनाने और स्टंटबाजी करने वाले कुछ युवकों पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में युवक थार और स्कॉर्पियो जैसी गाड़ियों से एक्सप्रेसवे पर खतरनाक स्टंट करते और रास्ता रोककर रील बनाते दिखाई दिए थे। पुलिस के अनुसार, 28 मई 2026 को थाना खरखौदा क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर कुछ वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए स्टंटबाजी की गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की। जांच के बाद चार युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल की गई गाड़ियों को भी सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद सामने आए एक वीडियो में आरोपी पुलिस के सामने कान पकड़कर माफी मांगते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर साझा

कान पकड़कर मांगी माफी, गाड़ियां हुईं सीज

किए गए वीडियो में युवकों को एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों को गोल–गोल घुमाते और सड़क पर खतरनाक करतब करते देखा गया। आरोप है कि उन्होंने टोल बैरियर को भी नुकसान पहुंचाया था। इस तरह की गतिविधियां न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि अन्य यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान संदेश दिया कि सड़कें स्टंट या सोशल मीडिया रील बनाने का मंच नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित यात्रा के लिए हैं। पुलिस ने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सार्वजनिक सड़कों पर जोखिमपूर्ण गतिविधियों से बचने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह की स्टंटबाजी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

साथी खिलाड़ी निकला हत्या का आरोपी

पैरा एथलीट चिराग त्यागी हत्याकांड का खुलासा

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि इस सनसनीखेज हत्याकांड को उनके ही साथी खिलाड़ी ने अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, चिराग त्यागी का शव साईं उपवन क्षेत्र में मिला था। मामले की जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में पता चला कि चिराग अपने एक परिचित के साथ दिल्ली से ओला कैब के जरिए हिंडन पहुंचे थे। इसके बाद दोनों साईं उपवन गए, जहां वारदात को अंजाम दिया गया।

जांच के आधार पर पुलिस ने मुरादनगर निवासी यश खटिक को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह भी एक पैरा खिलाड़ी है और पहले चिराग के साथ प्रशिक्षण ले चुका था। दोनों ने कई प्रतियोगिताओं में भी साथ हिस्सा लिया था।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, एक प्रतियोगिता के दौरान दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया में चिराग ने यश के खिलाफ शिकायत की थी। आरोप है कि इस शिकायत के

पुरानी रंजिश और बदले की भावना बनी वजह

कारण यश की पात्रता रद्द हो गई थी। इसी बात को लेकर वह लंबे समय से नाराज था और बदला लेने की योजना बना रहा था।

डीसीपी के अनुसार, आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने बदले की भावना से चिराग की गोली मारकर हत्या की। परिजनों की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी का प्रयास कर रही है। यह घटना खेल जगत के लिए भी बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि दो खिलाड़ियों के बीच की पुरानी रंजिश ने एक प्रतिभाशाली पैरा एथलीट की जान ले ली। मामले की आगे की जांच जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

हर घर में हैं मरीज, एंटीबोटिक हो रहीं हैं बेअसर, दो लाख लोग बीमार

देश का सबसे बड़ा फार्मा हब बना बीमारियों का ठिकाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। यह खबर आपको चौंका सकती है। हिमाचल के सोलन जिले में प्रवेश करने से पहले जहां सौंधी खुशबू आपको महकाती है, वहीं सोलन के नदी नालागढ़ में अजीब सी दुर्गंध सांसें रोकने लगती है, आंखों में जलन होने लगती है, कुछ मिनटों में गला भारी होने लगता है। लेकिन, करीब 35 किमी लंबे बही–बटोरीवाला–नालागढ़ (बीबीएन) कॉरिडोर में रहने वाली डेढ़ से दो लाख की आबादी इससे ड्डी गंड्डीर दुष्प्रभावों से जूझ रही है। यहां करीब 600 दवा निर्माण फैक्ट्रियां हैं, जहां से 200 देशों में दवाएं निर्यात होती हैं। भारत की 40 प्रतिशत दवाएं यहीं बनती हैं। लेकिन, फैक्ट्रियों से निकलने वाले अन्ट्रीटेड एंटीबायोटिक कचरे ने यहां की हवा और पानी दोनों बिगाड़ दिए हैं। हालात ये है कि फैक्ट्रियों के तीन से सात किमी के दायरे में रहने वाले लोगों पर अब सामान्य एंटीबायोटिक दवाएं असर नहीं करतीं हैं। लगभग हर तीसरे घर में कोई न कोई गंभीर बीमारी का मरीज है।

घाडुमा पलासला गांव की 20 वर्षीय काजल देवी और उनके बड़े भाई 25 वर्षीय मनीष कुमार को कैंसर है तो बहन के फेफड़ों में मवाद भर गया है। मनीष बताते हैं कि पहले सामान्य बुखार हुआ था, लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं ने असर नहीं किया, जो बाद में कैंसर बन गया। नांगल गांव के सुखदर्शन सिंह कहते हैं कि सोलन जिले के कई गांवों में आज कैंसर, फेफड़ों में मवाद और त्वचा के गंभीर रोग महामारी की तरह बढ़ रहे हैं। वह खुद लिवर का मरीज हैं। गांव के 25 से 40 साल के नौजवान बीमार हैं। नालागढ़ के हंडूर, पर्यावरण संस्था के अध्यक्ष मोहन शर्मा ने एक फैक्ट्री दिखाई और इसके आसपास तीन किमी. में घुमाया। पूरे इलाके में इतनी सड़ांध थी कि दम घुट रहा था। मोहन बताते हैं कि जब चार साल पहले दवा फैक्ट्री बनी तो हम रोजगार मिलने से खुश थे। हमको नहीं पता था कि यह सड़ांध कचरा और एंटीबायोटिक कचरा हमको जीने नहीं देगा।

कचरा बहाकर नदी का कर दिया नाश

यूनिक समय, नई दिल्ली। नालागढ़ डिग्री कॉलेज से रिटायर्ड प्रोफेसर सतविंदर सिंह बताते हैं कि चिकनी नदी सिरसा में मिलती है और सिरसा सतलुज में। यह चेन पूरे एक मानव सभ्यता का भविष्य खत्म कर सकती है। बीबीएन क्षेत्र का सबसे बड़ा जल स्त्रोत चिकनी नदी है। इस नदी में 16 पंप लगे हुए हैं, जो नालागढ़ शहर और 16 पंचायतों को पानी उपलब्ध कराते हैं। इसी नदी में रात 12 से सुबह चार बजे के बीच सभी दवा और दूसरी कंपनियां जहरीला वेस्ट चुपचाप बहा देती हैं। इस पानी को पीकर सुबह कभी कुत्ता मरता है, कभी भैंस तो कभी अनगिनत मछलियां सतह पर मरी मिलती हैं। सामाजिक कार्यकर्ता श्याम कुमार कहते हैं कि 35 किलोमीटर में मौजूद जंगल घूम लीजिए, करोड़ों की दवाएं सड़क किनारे पड़ी मिल जाएंगी। ये दवाएं सालों ऐसे ही पड़ी रहेंगी। इन्हीं की वजह से जमीन खराब हो चुकी है। गांवों में शादियां रुक गई है, क्योंकि पानी प्रदूषित हो चुका है। कोई हमारे यहां बेटी ब्याहने को तैयार नहीं है। जिला परिषद का चुनाव लड़ रहीं इंदु वैद्य कहती हैं कि जमीन कभी 20 लाख रुपये प्रति गज की थी, यह अब आठ लाख पर आ गई है, लेकिन कोई खरीदार नहीं है।

एमक्यू –1 ड्रोन पर कार्रवाई से बढ़ा तनाव

ईरान का अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान ने दावा किया है कि उसने अपने हवाई क्षेत्र में घुसे एक अमेरिकी एमक्यू–1 प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का कहना है कि यह ड्रोन "शत्रुतापूर्ण कार्रवाई" के इरादे से ईरानी एयरस्पेस में प्रवेश कर रहा था।

एमक्यू –1 प्रीडेटर को लेकर किए गए इस दावे पर अभी तक अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस घटना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर तब जब अमेरिका और ईरान के बीच पहले से ही संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

ईरानी मीडिया के अनुसार, ड्रोन को उसकी निगरानी और एयर डिफेंस सिस्टम ने पहचानकर तुरंत निशाना बनाया। ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता की रक्षा से जुड़ी कार्रवाई बताया है।

इस बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और नियमों को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। ईरान का कहना है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले सभी जहाजों को उसके निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करना होगा, अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह घटना मिडिल ईस्ट में पहले से चल रहे तनाव को और बढ़ा सकती है। वहीं इसे अमेरिका की विदेश नीति और नेतृत्व पर भी एक राजनीतिक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

डिजिटल वसीयत को लेकर जागरूक नहीं हैं लोग

यूनिक समय, दिल्ली। आप यदि फेसबुक, इंस्ट्राग्राम और यू- ट्यूब आदि डिजिटल प्लेटफार्म चलाते हैं, लेकिन आपके जाने के बाद इसको कौन संभालेगा, यह सवाल दुनिया के लोगों को परेशान कर रहा है। दुनिया में केवल 10 से 15 प्रतिशत ही ऐसे लोग हैं, जो डिजिटल वसीयत को लेकर जागरुक बने हुए हैं। डिजिटल क्रांति के दौर में हम अपने मकान, जमीन- दुकान और बैंक खाते के लिए तो वारिश- नामिनी चुन लेते हैं लेकिन अपनी डिजिटल संपति को भूल जाते हैं। मृत्यु के बाद ई–मेल, यू- ट्यूब, इंस्टा, फेसबुक अकाउंट, वाट्सअप और पेटीएम जैसे वालेट का वारिश कौन होगा, यह तय नहीं करते हैं। मैकएफी का डिजिटल आफ्टर लाइफ सर्वे कहता है, दुनिया भर में 70 प्रतिशत से ज्यादा लोग इस बात को लेकर चिंतित है कि उनके मरने के बाद उनके ऑनलाइन डेटा का क्या हो, लेकिन 10–15 प्रतिशत लोग ही डिजिटल वसीयत बनाते है।

ट्रस्ट एंड विल्स अनुअल स्टेट प्लानिंग

दुनिया के करीब 70 प्रतिशत लोग अपनी डिजिटल संपत्ति को लेकर चिंतित

रिपोर्ट 2025 कहती है कि 40 प्रतिशत लोग चाहते है कि उनकी मृत्यु के बाद उनके सोशल मीडिया, ई- मेल अकाउंट को हमेशा के लिए डिलीट कर दिया जाए। सात प्रतिशत लोग चाहते हैं कि उनके जाने के बाद कोई दूसरा व्यक्ति उनका अकाउंट चलाए। 32 प्रतिशत लोगों का मानना है कि उनके मरने के बाद ड्डी उनके निजी संदेश, चैट उनके परिवार से ड्डी पूरी तरह छिपे रहने चाहिए। पुरानी पीढ़ी के 55 प्रतिशत लोग अपने अकाउंट को तत्काल डिलीट करना पसंद करते हैं।

इसके विपरीत जैन- जी पीढ़ी के ज्यादातर लोग इसे संरक्षित करने के पक्ष में हैं।

कैसे बनाएं- क्या–किसे देना है, इसकी पूरी सूची बनाएं, सब–रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्ट्रेशन कराएं। सभी डिजिटल संपत्तियों की सूची तैयार करें।

श्रद्धालु सुरक्षित स्थानों पर रोके गए

केदारनाथ यात्रा बारिश के कारण रोकी गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए रुद्रप्रयाग प्रशासन ने केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें विभिन्न सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया है। लगातार हो रही बारिश के कारण यात्रा मार्ग कई स्थानों पर प्रभावित हुआ है, जिससे आवाजाही कठिन हो गई है।

स्थानीय पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए, स्पष्ट किया है कि ऑरेंज अलर्ट के चलते केदारनाथ यात्रा फिलहाल स्थगित रहेगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने और आगे की सूचना तक यात्रा शुरू न करें। साथ ही यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मदद उपलब्ध कराई जा सके। वहीं दूसरी ओर बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग 7) पर जोशीमठ के पास भारी जाम की स्थिति बनी हुई है। तीर्थयात्रियों की

बद्रीनाथ मार्ग पर भीषण जाम की स्थिति

बढ़ती भीड़ और संकरे मार्ग के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। प्रशासन ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए एकतरफा आवाजाही और टोकन प्रणाली लागू की है।

अधिकारियों के अनुसार, खराब सड़क स्थिति और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के कारण यात्रा मार्ग पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। पुलिस और प्रशासनिक टीमें स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई हैं।

मन की बात में मोदी की तारीफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के युवा आकाश गुप्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आकाश ने अपने गांव की मनोरमा नदी को साफ करने का बीड़ा उठाकर एक प्रेरक उदाहरण पेश किया है। यह प्रयास सिर्फ स्वच्छता नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी प्रतीक है। बस्ती के रहने वाले आकाश बचपन से नदी की स्थिति देखकर दुखी होते थे। समय के साथ नदी में प्लास्टिक और कचरे की मात्रा बढ़ती गई, जिससे जल स्त्रोत प्रभावित हुआ। ऐसे में उन्होंने शिकायत करने के बजाय खुद बदलाव की पहल की और अपने दोस्तों के साथ मिलकर सफाई अभियान शुरू किया।

इस अभियान में युवाओं ने फावड़ा, जाल और टोकरी की मदद से नदी से कचरा और जलकुंभी निकाली। कई बार एक दिन में 50 से 60 किलो

बस्ती के आकाश ने की नदी साफ

तक कचरा बाहर निकाला गया। धीरे–धीरे नदी का एक हिस्सा साफ दिखने लगा और स्थानीय लोगों में भी जागरूकता बढ़ी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास देश को स्वच्छ और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आकाश का यह कदम युवाओं के लिए प्रेरणा है कि बदलाव की शुरुआत खुद से की जा सकती है।

कुरनूल में दर्दनाक हादसे से सनसनी

नदी में डूबती लड़की को बचाने में 5 की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कुरनूल जिले में तुंगभद्रा नदी में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां डूब रही एक नाबालिग लड़की को बचाने के प्रयास में पांच लोगों की मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि लड़की की जान बचा ली गई, लेकिन उसे बचाने के लिए नदी में कूदे सभी पांच लोग गहरे पानी में फंसकर अपनी जान गंवा बैठे। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 4:30 बजे लड़की नदी किनारे अपने पैर धो रही थी, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसे डूबता देख आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए नदी में कूद पड़े। लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण वे खुद बाहर नहीं निकल सके और डूब गए।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने

लड़की को बचाया, लेकिन पांचों की जान गई

बताया कि मृतक आसपास के ही गांवों के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सभी शवों को निकालने की कार्रवाई की जा रही है।

इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। जहां एक ओर लड़की की जान बच जाने से राहत मिली, वहीं पांच लोगों की मौत ने लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और क्षेत्र में शोक का माहौल है।